आज का विचार

जल्दी जागना हमेशा फायदेमंद होता है फिर चाहे वह नीद हो, वहम हो या फिर अहम हो।

दैनिक

सिटी दर्पण

आईना सच का

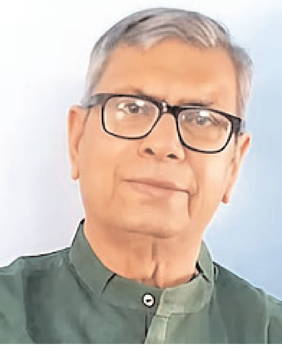

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शुक्रवार, 5 जून, 2026 वर्ष 24, अंक 136, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

हरियाणा में सभी पात्र परिवारों को दी जाएगी आवास की सुविधा: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विजन-2047 के तहत हाउसिंग फोर ऑल विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक में दिए विस्तृत दिशा-निर्देश

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रत्येक प्रदेशवासी को रहने के लिए छत देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और वर्तमान केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा यह कार्य मिशन मोड में किया जा रहा है। उन्होंने हाउसिंग फोर ऑल विभाग को निर्देश दिए कि वे शेष बचे सभी पात्र परिवारों की पहचान कर उन्हें आवास उपलब्ध करवाने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश बृहस्पतिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के तहत हाउसिंग फोर ऑल विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी अपात्र व्यक्ति या परिवार को योजना का लाभ दिया जाता है तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हाउसिंग फोर ऑल के महानिदेशक श्री जे गणेशन ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 तथा लाइसेंसी कालोनियों में ईडब्ल्यूएस आवासों के वितरण के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार विभाग द्वारा आगामी समय में बचे हुए पात्र परिवारों को आवास सुविधाएं उपलब्ध करवाने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 5 योजनाओं के तहत प्रदेश में 2,31,215 परिवारों को आवास उपलब्ध करवाने के लिए लगभग

2375 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। इनके अलावा 10649 प्लाट व फ्लैट वितरित करने हेतु तैयार है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन प्लाट व फ्लैट के आबंटन का कार्य जल्द पात्र परिवारों को किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि हर पात्र परिवार को सरकारी मदद से छत मुहैया करवाई जाए, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि योजना का दुरुपयोग न हो। उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थियों की सूची ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक की जाए ताकि तसदीक हो सके कि लाभ लेने वाले परिवार वास्तव में योजना के लिए पात्र थे या नहीं। यदि यह साबित होता है कि अपात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ दिया गया है तो संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने घुमंतु जाति के ऐसे गरीब परिवारों के लिए पंजीकरण शुल्क में रियायत देने के भी निर्देश दिए जिनकी आर्थिक स्थिति खराब है। इस अवसर पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की प्रधान सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार, हाउसिंग फोर ऑल के महानिदेशक श्री जे गणेशन, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती तथा ओएसडी एवं स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मार्च 2027 तक 12 फुट की हर सड़क को 18 फुट चौड़ा करने के निर्देश

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए हैं कि पूर्व में की गई घोषणा के अनुरूप प्रदेश की 12 फुट चौड़ाई की सभी सड़कों को 18 फुट चौड़ा करने का कार्य मार्च 2027 तक अवश्य पूरा कर लिया जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश बृहस्पतिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के तहत पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर) विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन की सुविधा के लिए सड़कों का अच्छी हालत में और समुचित चौड़ाई का होना आवश्यक है। इसके लिए पूर्व में की गई मुख्यमंत्री घोषणा के अनुरूप प्रदेश में सभी 12 फुट की सड़कों की चौड़ाई को 18 फुट किया जाए। यह कार्य इस वित्त वर्ष के समाप्त होने से पहले पूरा किया जाए। इस कार्य की स्थिति पूछने पर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस समय प्रदेश में 3240 किलोमीटर लंबी लिंक रोड 12 फुट चौड़ाई की हैं जिन्हें 18 फुट चौड़ा किया जा रहा है। इनमें से 1696 किलोमीटर लंबी सड़कों के चौड़ाकरण का कार्य प्रगति पर है तथा शेष 1544 किलोमीटर सड़कों को इसी वर्ष 18 फुट चौड़ा कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बनाई जा रही सड़कों की गुणवत्ता, इन पर साईन बोर्ड, बर्म व सफेद पट्टी लगवाना भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में धूल-मिट्टी, व प्रदूषण को कम करने के लिए सड़कों के आसपास पेवर-ब्लॉक अथवा घास लगवाया जाए। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्य के लिए प्रथम चरण हेतु 6 शहरी क्षेत्रों की 368 किलोमीटर लंबाई की 138 सड़कें चिह्नित की गई हैं। इसके तहत सोनीपत, फरीदाबाद, गुरुग्राम, पानीपत, रोहतक व करनाल जिलों में सड़कों के आसपास टाईलें व ग्रीन एरिया विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह कार्य नवंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया।

योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मिलेगी नई पहचान: मोदी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अहमदाबाद में आयोजित प्रथम विश्व योगासन खेल चैंपियनशिप 2026 का शुभारंभ करते हुए कहा कि योग मानवता के लिए भारत का शाश्वत उपहार है, जो मन, शरीर और आत्मा को एकाकार कर अधिक स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण विश्व की प्रेरणा देता है।

प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि अहमदाबाद की धरती से विश्व खेल जगत के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। उन्होंने चैंपियनशिप में भाग लेने आए विभिन्न देशों के खिलाड़ियों का भारत में स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि अहमदाबाद एक यूनेस्को विश्व धरोहर शहर है और इस ऐतिहासिक नगर में इस वैश्विक प्रतियोगिता का आयोजन पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। मोदी ने कहा कि कुछ दिनों बाद 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा, जिसका मुख्य आयोजन इस वर्ष कोलकाता में होगा।

प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि लगभग एक दशक पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा था, जिसे 190 देशों का समर्थन प्राप्त हुआ। भारत का उद्देश्य अपनी प्राचीन परंपरा को मानवता के स्वास्थ्य और सामूहिक कल्याण से जोड़ना था।

मोदी ने कहा कि विश्व योगासन खेल चैंपियनशिप के माध्यम से योगासन को एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में नई पहचान मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में योगासन अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भी अपना स्थान बनाएगा। उन्होंने कहा कि हर बड़े खेल के साथ एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित होता है, जिससे रोजगार और करियर के नए अवसर पैदा होते हैं। योगासन खेल के विस्तार से खिलाड़ियों के साथ-साथ प्रशिक्षकों, खेल वैज्ञानिकों, शोधकताओं और इवेंट प्रबंधन से जुड़े पेशेवरों के लिए भी नए अवसर उपलब्ध होंगे।

प्रधानमंत्री ने बताया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ह्लयोग फॉर हेल्दी एजिंगह्न है। आज लोग ऐसे उपायों की तलाश में हैं जो उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखें तथा योग इसके लिए एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने लोगों से ह्लहर रोज योग, भगाएगा सारे रोगह्न का संदेश अपनाने का आह्वान किया। मोदी ने कहा कि इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए आयुष मंत्रालय ने ह्लयोग 365ह्न अभियान शुरू किया है। उन्होंने चैंपियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने देशों में लौटकर योग के संदेश के दूत बनें और दुनिया भर में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रतियोगिता में चाहे कोई भी विजेता बने, लेकिन इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनकर सभी प्रतिभागी पहले ही चैंपियन बन चुके हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की प्रतिभा और अनुशासन को विश्व के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताते हुए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई दी तथा प्रथम विश्व योगासन खेल चैंपियनशिप 2026 के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की।

राज्यसभा चुनाव : भाजपा उम्मीदवारों की सूची में मप्र से तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल, ओडिशा से देवाशीष सामंतराय

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने पांच राज्यों में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव-2026 तथा ओडिशा में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने मध्य प्रदेश की दो सीटों से पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ संगठनात्मक नेता रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा बीजद छोड़ हाल ही में भाजपा में शामिल हुए देवाशीष सामंतराय को ओडिशा उपचुनाव में पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर से गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, मणिपुर, राजस्थान की 10 सीटों के लिए होने वाले राज्यसभा चुनाव और ओडिशा की एक सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों की सूची जारी की गई। इसमें अरुणाचल प्रदेश से ताई तागाक, गुजरात से राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया, मध्य प्रदेश से तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल, मणिपुर से ए शारदा देवी तथा राजस्थान से डॉ. अलका गुर्जर और डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया गया है। वहीं, ओडिशा में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए देवाशीष सामंतराय को प्रत्याशी बनाया गया है। मध्य प्रदेश से उम्मीदवार बनाए गए तरुण चुग भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव हैं और संगठन के प्रमुख रणनीतिकारों में गिने जाते हैं। पंजाब के अमृतसर से आने वाले चुग जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और तेलंगाना सहित कई राज्यों में संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। पार्टी के चुनावी प्रबंधन और संगठन विस्तार में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। हाल ही में उन्हें मणिपुर में विधायक दल के नेता के चयन के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया गया था। दूसरे उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल लंबे समय से मध्य प्रदेश भाजपा संगठन से जुड़े हुए हैं। वे वर्तमान में प्रदेश सचिव के रूप में कार्यरत हैं और संगठनात्मक कार्यों, बूथ प्रबंधन तथा चुनावी रणनीति के क्षेत्र में उनकी विशेष पहचान है। पार्टी कार्यकर्ता नेटवर्क को मजबूत करने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण माना जाता है। गुजरात से भाजपा ने चार उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। इनमें राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया शामिल हैं। राजस्थान से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका गुर्जर को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश से ताई तागाक और मणिपुर से ए शारदा देवी को उम्मीदवार बनाया गया है। ओडिशा राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा ने देवाशीष सामंतराय पर भरोसा जताया है।

जनता के विश्वास को और मजबूत करने के लिए कार्य करें पदाधिकारी : नितिन नवीन

एजेंसी (हि.स.)
पटना

भारतीय जनता पार्टी के पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्ययोजना को गति देने तथा कार्यकताओं की भूमिका को प्रभावी बनाने को लेकर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई।

इस अवसर पर बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया तथा बिहार सह प्रभारी दीपक प्रकाश भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका सशक्त संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला एक वैचारिक संगठन है। यही कारण है कि पार्टी ने देशभर में जनता का व्यापक विश्वास अर्जित किया है और निरंतर नए आयाम स्थापित किए हैं।

उन्होंने नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन से मिली जिम्मेदारी केवल एक पद नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा का अवसर है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण और सक्रियता के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना होगा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा की कार्यशैली सामूहिक नेतृत्व, संगठनात्मक अनुशासन और सतत जनसंपर्क पर आधारित है। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि वे संगठन के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारें तथा समाज के सभी वर्गों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें। उन्होंने कहा कि आने वाला समय संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक पदाधिकारी को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ करना होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सभी के भीतर आगे बढ़ाने की इच्छा होनी चाहिए तभी सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि पद आगे बढ़ने का एक प्लेटफार्म है और इसे ईमानदारी से निभाना चाहिए। उन्होंने प्रवास कार्यक्रम पर जोर दिया।

बैठक के दौरान संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क अभियानों तथा आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पदाधिकारियों के सुझाव भी सुने और उन्हें संगठन के हित में निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया।

सीबीएसई ने त्रि-भाषा फामूर्ला मनमाने ढंग से लागू किया: कांग्रेस

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

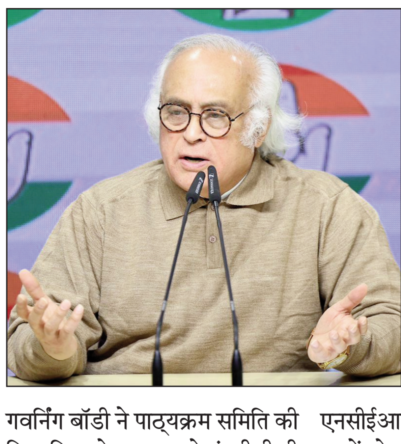

कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) पर ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और कक्षा 9 एवं 10 में त्रि-भाषा फामूर्ले को जल्दबाजी में और मनमाने तरीके से लागू करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि इससे शैक्षणिक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त हो जाएगी।

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गुरुवार को कहा कि दिसंबर 2025 में सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी ने पाठ्यक्रम समिति की सिफारिश को स्पष्ट रूप से मंजूरी दी थी कि एनसीईआरटी द्वारा ग्रेडेड पाठ्यपुस्तकें जारी होने तक मौजूदा भाषा व्यवस्था जारी रहे। इस निर्णय पर तत्कालीन चेयरमैन और सचिव ने हस्ताक्षर भी किए थे। इसके बावजूद मई 2026 में सीबीएसई ने परिपत्र जारी कर 01 जुलाई से कक्षा 9 एवं 10 में तीसरी भाषा जोड़ने का निर्देश दिया और स्कूलों से कहा कि वे कक्षा 6 की एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों से 9वीं के छात्रों को पढ़ाएं।

उन्होंने सवाल किया कि पिछले छह महीनों में आखिर क्या बदला, जबकि एनसीईआरटी ने कक्षा 9 एवं 10 के लिए कोई नई भाषा पाठ्यपुस्तक जारी नहीं की है। इस कदम का कोई शैक्षणिक औचित्य नहीं है और इससे लाखों छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। शिक्षा मंत्रालय और उसकी स्वायत्त संस्थाएं शिक्षा विशेषज्ञों की सलाह के बजाय राजनीतिक एजेंडे पर काम कर रही हैं।

रमेश ने कहा कि जब जवाबदेही की बात आती है तो सीबीएसई के अधिकारियों को पद से हटाया जाता है। उन्होंने मांग की कि शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।

अमेरिका के किसानों के लिए बाजार खोलने से देश का किसान होगा बर्बाद: राहुल गांधी

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अल्मोड़ा और पौड़ी की जनसभाओं में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा सरकार की नीतियों पर करारा प्रहार किया। वर्चुअल संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि देश में आर्थिक तूफान आने वाला है। यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो सत्ता में आते ही सबसे पहले अग्निवीर योजना को समाप्त कर देंगे। अमेरिका के किसानों के लिए भारत का बाजार खोलने से देश के किसान बर्बाद हो जाएंगे।

गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अल्मोड़ा के सिमकनी स्थित एसएसजे विश्वविद्यालय के खेल मैदान पर परिवर्तन का शंखनाद और पौड़ी में कंडोलिया मैदान पर आयोजित जनसभाओं को संबोधित करना था। पंतनगर से राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर ने अल्मोड़ा की ओर उड़ान तो भरी, लेकिन मौसम खराब होने के चलते उन्हें वापस लौटना पड़ा। इसके बाद पंतनगर एयर पोर्ट से फोन के माध्यम राहुल गांधी ने सभा को संबोधित किया। इस बीच पौड़ी कंडोलिया मैदान पर आयोजित पूर्व सैनिक सम्मेलन को भी राहुल गांधी ने वर्चुअली ही संबोधित किया। उन्होंने अपने वर्चुअली संबोधन में अल्मोड़ा व पौड़ी की जनसभा में शामिल न होने पर माफी मांगी और विश्वास दिया कि जल्द वे उत्तराखंड का दौरा करेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने कुछ दिन पहले अमेरिका के साथ डील साइन की। इसमें मोदी ने चार चीजें अमेरिका को सौंपी दीं। इससे एनर्जी सुरक्षा खत्म कर दी। अमेरिका के कहने पर ही हम ईंधन खरीद सकते हैं। प्रधानमंत्री ने फूड सुरक्षा को कमजोर किया। अमेरिका के किसानों के लिए भारत का बाजार खुलेगा। अब अमेरिका का किसान अपने उत्पाद भारत में बेच पाएगा। इससे हिन्दुस्तान का किसान बर्बाद हो जाएगा। तीसरी चीज हिन्दुस्तान का मेडिकल, व्यवसायिक का डाटा भी मोदी ने अमेरिका का दे दिया। इससे देश पर बड़ा संकट आएगा ही। इसके अलावा मोदी ने लघु उद्योगों को भी समाप्त कर दिया। यह एक सुरक्षा थी, लेकिन मोदी ने यह भी खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि देश में आर्थिक तूफानआने वाला है।

पर्यटन को सांस्कृतिक पुनर्जागरण, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर आगे बढ़ाएं : योगी

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है। पर्यटन विकास को केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित न रखते हुए उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

गुरुवार को पर्यटन विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है। पर्यटन विकास के माध्यम से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी व्यापक अवसर प्राप्त होंगे। भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े ज्ञान भारतम् मिशन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं। इनका संरक्षण और डिजिटलीकरण केवल अभिलेखीकरण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम है। बैठक में अब तक 13 लाख 70 हजार से अधिक पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण की प्रगति की जानकारी दी गई।

पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेश, नवाचार और अनुभव आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाया जाए। बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट तथा बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट के रूप में नए क्षेत्रों के विकास पर चर्चा हुई। साथ ही ह्लपरंपराह्न विरासत अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन तथा

वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी हो जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार बढ़ाए और पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करे।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में नव लोकार्पित ह्लनौसेना शौर्य वाटिकाह्न और निमार्णाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना राष्ट्रभक्ति, सैन्य गौरव और भारत की समुद्री विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि इसका संचालन लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि निमार्णाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय में भारतीय नौसेना के गौरवशाली इतिहास, समुद्री शक्ति, नौसैनिक अभियानों, आईएनएस गोमती की यात्रा, नौवहन परंपरा और भारत की समुद्री विरासत को आधुनिक तकनीक, इंटरैक्टिव गैलरियों, सिम्युलेटर, युवा कैडेट एरीना तथा विविध अनुभवात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना युवाओं में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को और सशक्त करेगी। आगरा में निमार्णाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रनायकों की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना राष्ट्रीय दायित्व है। संग्रहालय में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, स्वराज्य स्थापना, आगरा आगमन, औरंगजेब के दरबार में उनके अदम्य साहस, आगरा से ऐतिहासिक प्रस्थान, राज्याभिषेक, सैन्य नेतृत्व, हिंदवी स्वराज्य, किलों के विकास तथा सुशासन की अवधारणा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संग्रहालय में मराठा साम्राज्य और उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक संबंधों, काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनरुद्धार में अहिल्याबाई होल्कर की भूमिका, तीर्थस्थलों के संरक्षण, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता संग्राम के नायकों, ब्रज की संस्कृति को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

मिजार्पुर-विंध्याचल क्षेत्र के लिए तैयार किए जा रहे इंटीग्रेटेड मास्टर प्लान की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मां विंध्यवासिनी धाम देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है और इसकी विकास योजना भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। बैठक में त्रिकोण परिक्रमा क्षेत्र के विकास पर भी चर्चा हुई। यह भी बताया गया कि वर्ष 2050 तक संभावित श्रद्धालु संख्या को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश के शक्तिपीठों के निकट माता सती की पौराणिक कथा का प्रभावी एवं आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया जाए तथा इसके लिए निजी क्षेत्र के सहयोग की संभावनाओं का भी उपयोग किया जाए।

बैठक में चित्रकूट स्थित प्राचीन सोमनाथ मंदिर के संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण हमारी साझा जिम्मेदारी है। संरक्षण कार्यों में मूल स्वरूप, ऐतिहासिक प्रामाणिकता और स्थापत्य विशेषताओं को अक्षुण्ण रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन धरोहरों से प्रेरणा प्राप्त कर सकें।

राज्यपाल के पास पहुंचा अस्पताल में महिला की मौत का मामला, परिजनों ने मांगी निष्पक्ष जांच

महिला की मौत पर घमासान: न्याय के लिए राजभवन पहुंचे परिजन

डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

सोलन जिले के अर्की नागरिक अस्पताल में पथरी के ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत का मामला अब राज्यपाल तक पहुंच गया है। मृतका के परिजनों ने गुरुवार को राज्यपाल से मुलाकात कर मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच करवाने की मांग की है।

मृतका की पहचान 41 वर्षीय सीमा शर्मा के रूप में हुई है। परिजनों का कहना है कि सीमा शर्मा को 12 मिलीमीटर की पथरी की शिकायत थी। परिवार के अनुसार डॉक्टरों की सलाह पर उनका ऑपरेशन करवाया गया था और उन्हें उम्मीद थी कि यह एक सामान्य प्रक्रिया होगी, जिसके बाद वह स्वस्थ होकर घर लौट आएंगी। परिजनों ने राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया है कि ऑपरेशन के बाद सीमा शर्मा की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उनका कहना है कि अस्पताल की ओर से उन्हें मरीज की स्थिति और अस्पताल में हुई घटनाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। परिवार के मुताबिक बाद में सीमा शर्मा को 108 एम्बुलेंस के जरिए इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) शिमला रेफर किया गया। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान उन्हें न तो विस्तृत मेडिकल रिकॉर्ड उपलब्ध कराया गया और न ही यह बताया गया कि मरीज की हालत कितनी गंभीर है। मृतका के पति हंसराज शर्मा का कहना है कि जब परिवार आईजीएमसी पहुंचा तो उन्हें सीमा शर्मा की मौत की सूचना मिली। उन्होंने कहा कि आज तक उन्हें यह नहीं बताया गया कि ऑपरेशन के दौरान या उसके बाद ऐसा क्या हुआ, जिसकी वजह से उनकी पत्नी की जान चली गई। परिजनों का यह भी आरोप है कि बाद में उनसे पोस्टमार्टम न करवाने संबंधी एक लिखित बयान लिया गया। उनका कहना है कि उस समय परिवार गहरे सदमे में था और हालात को समझने की स्थिति में नहीं था।

परिवार ने यह दावा भी किया है कि अंतिम संस्कार के दौरान उन्हें सीमा शर्मा की पीठ पर नीले निशान दिखाई दिए, जिससे उनके संदेह और बढ़ गए। परिजनों ने सवाल उठाया है कि ऑपरेशन, उपचार और मरीज को रेफर किए जाने की पूरी प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज उन्हें उपलब्ध क्यों नहीं कराए गए। उन्होंने यह भी पूछा है कि सीमा शर्मा को किस स्थिति में आईजीएमसी भेजा गया था और उपचार के दौरान कौन-कौन से चिकित्सकीय कदम उठाए गए थे। ज्ञापन में परिवार ने मांग की है कि मामले की जांच स्वतंत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम से करवाई जाए। साथ ही उन्होंने कहा है कि जांच समिति में अर्की और सोलन के स्थानीय चिकित्सकों को शामिल न किया जाए, ताकि जांच की निष्पक्षता पर कोई सवाल न उठे। परिजनों ने ऑपरेशन, उपचार और रेफरल से जुड़े सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने तथा जांच में यदि किसी स्तर पर चिकित्सकीय लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की भी मांग की है।

हिमाचल में ऑरेंज अलर्ट के बीच झमाझम बारिश शिमला में लौटी ठंडक, 10 तक बरसेंगे बादल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के सक्रिय होने से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। राज्य के कई हिस्सों में जारी ऑरेंज अलर्ट के बीच गुरुवार को बारिश, आंधी और गरज-चमक का असर देखने को मिला। राजधानी शिमला में सुबह मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद अचानक बादल घिर आए और तेज गर्जना के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश से शिमला सहित आसपास के इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम ठंडा हो गया।

शिमला के ऊपरी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हुई है। इससे सेब और अन्य गुठलीदार फलों की फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। राज्य के कई अन्य हिस्सों में भी गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश दर्ज की गई। खासकर निचले और मैदानी इलाकों में तापमान गिरने से लोगों को जून की गर्मी से काफी राहत मिली है। मौसम में आए इस बदलाव का असर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी दिखाई दिया। राज्य की ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं पर हल्की बर्फबारी भी हुई, जिससे पहाड़ी इलाकों में ठंडक बढ़ गई है।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए राज्य के कई भागों में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही बारिश, आंधी और बिजली गिरने को लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। विभाग के अनुसार 5 जून को कई स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 6 जून को भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और आंधी की संभावना है। इस दिन हवाओं की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 7 जून से 10 जून तक भी प्रदेश के अधिकांश भागों में मौसम खराब बना रहेगा। हालांकि इस अवधि के लिए फिलहाल कोई विशेष चेतावनी या अलर्ट जारी नहीं किया गया है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश में सबसे अधिक 25 मिलीमीटर बारिश बिजाही में दर्ज की गई। इसके अलावा खदराला में 7 मिलीमीटर, कोटखाई में 4 मिलीमीटर और भावानगर में 2 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। बारिश और बादलों की वजह से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। इससे प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम सुहावना बना हुआ है। न्यूनतम तापमान की बात करें तो सबसे कम तापमान कुकुमसेरी में 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद केलांग में 8.1 डिग्री 18 डिग्री, नाहन में 18.9 डिग्री, पालमपुर में 19 डिग्री, सुंदरनगर में 19.2 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 19.5 डिग्री, मंडी में 19.7 डिग्री, बरठीं में 19.8 डिग्री, कांगड़ा में 21 डिग्री और ऊना में 21.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

मंडी में दूषित पाई गई बावड़ियों की सफाई दूषित जल उपयोग न करें: रोहित राठौर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

नगर निगम मंडी के आयुक्त रोहित राठौर ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में स्थित विभिन्न बावड़ियों प्राकृतिक जल स्रोतों के जल की गुणवत्ता की हाल ही में जल शक्ति विभाग मंडी द्वारा जांच की गई है।

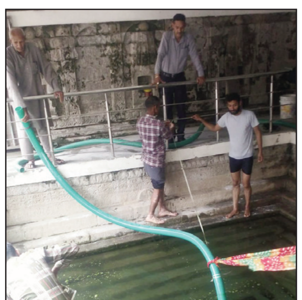

प्राप्त माइक्रोबायोलॉजिकल जांच रिपोर्ट के अनुसार कुछ बावड़ियों का जल निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरा है, जिसके चलते उक्त जल मानव उपभोग के लिए सुरक्षित नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के आगमन के साथ जल स्रोतों के दूषित होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इस स्थिति को देखते हुए नगर निगम मंडी द्वारा संबंधित बावड़ियों की सफाई, गाद निकालने तथा अन्य आवश्यक सुधारात्मक कार्य शुरू कर दिए गए हैं। आयुक्त ने नागरिकों से आग्रह किया है कि आगामी आदेशों तक इन बावड़ियों के जल का पेयजल अथवा अन्य घरेलू उपयोग के लिए प्रयोग न करें तथा केवल सुरक्षित और स्वच्छ जल का ही उपयोग करें। रोहित राठौर ने बताया कि नगर निगम मंडी द्वारा जल स्रोतों की नियमित निगरानी एवं सफाई का कार्य किया जा रहा है। जल गुणवत्ता संतोषजनक पाए जाने के उपरांत ही इन जल स्रोतों के उपयोग संबंधी अगली सूचना जारी की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से जनहित में सहयोग करने और स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है।

शिमला में रेहड़ी लगाने वाले चंदन की मौत के बाद बढ़ा विरोध अधिकारियों पर मांगी कार्रवाई

शिमला। शिमला में रेहड़ी लगाने वाले चंदन की मौत के बाद नगर निगम प्रशासन की कार्रवाई को लेकर विवाद गहरा गया है। श्रमिक संगठन सीटू और रेहड़ी-फड़ी यूनियन ने इस मामले में नगर निगम प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले के अनुसार 31 मई को नगर निगम की एक कार्रवाई के दौरान चंदन गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह चार दिनों तक आईजीएमसी में जिंदगी और मौत से जूझता रहा। बुधवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। चंदन की मौत के बाद रेहड़ी-फड़ी कारोबारियों और श्रमिक संगठनों में रोष देखा जा रहा है। सीटू ने इसके विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन किया। सीटू के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र मेहरा ने आरोप लगाया कि नगर निगम की कार्रवाई के दौरान चंदन अपना सामान बचाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान वह गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने कहा कि घायल होने के बाद चंदन को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मेहरा ने मांग की कि इस मामले में गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाए और घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

सुक्खू सरकार जनादेश को स्वीकार करें, विधानसभा चुनाव में होगा कांग्रेस का सफाया : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने द्रंग विधानसभा क्षेत्र के सनोर मंडल के नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों, प्रधानों, उप-प्रधानों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सांगठनिक बैठक की। जिसमें क्षेत्र के विकास, जनहित के ज्वलंत मुद्दों और पंचायतों की भावी कार्ययोजना पर विस्तार से रणनीति तैयार की गई।

इस अवसर पर सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि जनता ने जो विश्वास आप पर जताया है, उसे पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निभाते हुए अपने-अपने क्षेत्रों के विकास को नई गति दें। जयराम ने कहा कि आज जो आप लोग चुनाव जीतकर आए हैं, उसके पीछे भारतीय जनता पार्टी का एक लंबा और कड़ा कानूनी संघर्ष रहा है। क्योंकि मुख्यमंत्री सुक्खू अपनी तय हार को देखते हुए चुनाव समय पर नहीं करवाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि इस तानाशाही रवैये के खिलाफ भाजपा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट गई। जहां दोनों जगह सुक्खू सरकार को मुंह की खानी पड़ी और अंततः सर्वोच्च अदालत के कड़े निर्देश के बाद 31 मई से पहले यह चुनाव संपन्न कराने पड़े। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुक्खू पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरह अड़ियल रुख अपनाए हुए हैं और अपनी करारी हार स्वीकार करने के बजाय लगातार झूठ का सहारा लेकर आंकड़े छिपा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले स्थानीय निकाय चुनावों में हार के बाद मुख्यमंत्री ने झूठे आंकड़े पेश किए, फिर पंचायत चुनावों में 2400 प्रधानों की जीत का सफेद झूठ बोला। लेकिन जब भाजपा ने इसकी सूची मांगी तो सरकार के पास कोई जवाब नहीं था। इसके बाद जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में भी कांग्रेस ने अपनी हार छिपाई। जबकि भाजपा ने यहां भी प्रचंड जीत के साथ इनसे दो नगर निगम छीनकर तीन जगह बड़ी जीत दर्ज की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री की नैतिकता इसी में है कि वे इस प्रचंड जनादेश का सम्मान करें।

संबंधों में समरसता सु:खी जीवन और सशक्त समाज का आधार: बीके शिवानी

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, मंडी शाखा द्वारा मंडी के पड्डल मैदान में संबंधों में समरसता को लेकर एक विशाल आध्यात्मिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज की अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक प्रेरक एवं वक्ता सिस्टर शिवानी ने विशेष रूप से उपस्थित होकर अपने प्रेरणादायक विचारों से सभी को लाभान्वित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संबंधों में प्रेम, सम्मान और संवेदनशीलता सुखी एवं सफल जीवन और सशक्त समाज का आधार है। कार्यक्रम में मंडी और आसपास के क्षेत्रों से हजारों लोगों ने भाग लिया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु सिंह, सरदार पटेल विश्वविद्यालय के कुलपति डी. ललित कुमार अवस्थी तथा ब्रह्माकुमारीज मंडी की प्रभारी बीके शीला दीदी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्रोताओं को संबोधित करते हुए सिस्टर शिवानी ने कहा कि संबंधों में समरसता स्थापित करने के लिए हमें अपने वास्तविक स्वरूप आत्मा के मूल गुणों में स्थित होकर प्रत्येक कर्म और जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि क्रोध, आवेश और नकारात्मक प्रतिक्रियाओं से मुक्त होकर हम अपने संबंधों को मधुर एवं जीवन को सरल बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा सिखाया जा रहा राजयोग मेडिटेशन आत्मिक सशक्तिकरण एवं मानसिक शांति का प्रभावी माध्यम है।

सिस्टर शिवानी ने सभी को संकल्प दिलाया कि वे क्रोध और आवेश में आकर किसी के साथ अनुचित व्यवहार नहीं करेंगे तथा प्रेम, सम्मान और सहयोग की भावना को अपने जीवन में अपनाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सिस्टर शिवानी ने सभी उपस्थित जनसमूह को राजयोग मेडिटेशन का गहन अनुभव करवाया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक शांति एवं आनंद से भर गया।

सिरमौर में पोंटा में पुलिस कर्मी के साथ बदसलूकी मामले का आरोपी गिरफ्तार

नाहन। सिरमौर जिला के तहत पांवटा साहिब में खाकी को सरेआम ठेंगा दिखाने का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां ड्यूटी पर जा रहे एक पुलिस जवान के साथ बीच सड़क पर न केवल बदतमीजी की गई, बल्कि उसके साथ बेरहमी से मारपीट भी की गई। इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पुलिस महकमे और स्थानीय जनता में भारी आक्रोश है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित पुलिस जवान वर्तमान में तैनात है और इन दिनों पांवटा साहिब के तारूवाला में बने ईवीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात है। घटना के वक्त जवान दोपहर का खाना खाने के बाद अपने घर से वापस ड्यूटी के लिए तारूवाला की तरफ जा रहा था। जब वह गोंदपुर के पास पहुंचा, तो सड़क पर आगे चल रहा एक वाहन चालक बेहद लापरवाही और खतरनाक तरीके से गाड़ी चला रहा था, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ था। पुलिस जवान ने थोड़ा आगे जाकर उस गाड़ी चालक को सही तरीके से वाहन चलाने का इशारा किया और उसे सावधानी बरतने को कहा। जवान द्वारा दी गई यह सीख आरोपी को इतनी नागवार गुजरी कि उसने अपनी गाड़ी को पुलिसकर्मी की स्कूटी के आगे अड़ाकर उसे रोक लिया। गाड़ी से उतरते ही आरोपी ने पुलिसकर्मी के साथ गाली-गलौज और बदतमीजी शुरू कर दी।

सियासी खींचतान में नहीं रुक सकता शासन, राजीव जसरोटिया का उमर सरकार पर तीखा हमला

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

भाजपा नेता एवं जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि शासन को सियासी खींचतान का बंधक नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता को रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान चाहिए, न कि सरकार के अंदरूनी मतभेदों को सुलझाने में समय बर्बाद होता देखना।

पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों को संबोधित करते हुए जसरोटिया ने सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश के लोग बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं ऐसे समय में सरकार का ध्यान आंतरिक राजनीतिक मुद्दों में उलझा रहना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जनता ने सरकार को शासन चलाने के लिए चुना है न कि आपसी मतभेद सुलझाने के लिए। हर वह समय जो राजनीतिक मतभेदों में खर्च हो रहा है, वह जनता की समस्याओं के समाधान से छिन रहा है। जसरोटिया ने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और मंत्रियों पर बड़ी जिम्मेदारी है लेकिन इसके बावजूद प्रशासनिक कामकाज प्रभावित होता दिख रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास कार्यों, रोजगार सृजन और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के बजाय सरकार का ध्यान राजनीतिक समीकरणों पर अधिक है। उन्होंने कहा कि किसान, युवा, व्यापारी, कर्मचारी, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक सभी वर्गों में प्रशासनिक देरी और समस्याओं के समाधान में कमी को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। लोगों की अपेक्षा है कि सड़कें बनें, सेवाएं बेहतर हों, रोजगार के अवसर बढ़ें और शिकायतों का समय पर समाधान हो।

भगवान बुद्ध की शिक्षाएं भारतीय सनातन परंपरा से अलग नहीं : डॉ. बालमुकुंद पांडेय

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में वीरवार को एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। धर्मशाला के धौलाधार परिसर में बौद्ध अध्ययन केंद्र, अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र तथा डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बुद्ध की शिक्षाओं की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बालमुकुंद पांडेय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने की।

व्याख्यान को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. बालमुकुंद पांडेय ने बुद्ध और उनकी शिक्षाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएं भारतीय सनातन परंपरा से अलग नहीं हैं, बल्कि उसी ज्ञानधारा का एक महत्वपूर्ण और जीवंत आयाम हैं। उन्होंने कहा कि बुद्ध ने जिन मूल्यों और सिद्धांतों का प्रतिपादन किया, उनका आधार वेदों, उपनिषदों और भारतीय दार्शनिक परंपराओं में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि बुद्ध ने वही जीवन-मूल्य सरल, व्यावहारिक और लोकभाषा में प्रस्तुत किए, जिन्हें भारतीय मनीषा सदियों से प्रतिपादित करती रही है। उनके अनुसार बुद्ध का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना ढाई हजार वर्ष पूर्व था। मध्यम मार्ग की अवधारणा की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में संतुलन और विवेक अत्यंत आवश्यक हैं। वर्तमान समय में तनाव, असंतोष और संघर्ष का एक प्रमुख कारण अत्यधिक संग्रह और भौतिक आकांक्षाओं की वृद्धि है।

कार्यक्रम राष्ट्रीय युवा उत्सव शुरू, कई राज्यों के हुनरबाजों का जमावड़ा

एक सप्ताह के लिए किन्नौर पहुंचे कई राज्यों के युवा प्रतिभागी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

देश भर से आए करीब 100 युवा हफ्ते भर तक हिमाचल प्रदेश और खासकर किन्नौर की संस्कृति, रहन सहन, खानपान, विरासत, रणनीतिक महत्व और परंपराओं से रूबरू होंगे।

विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम-2026 के तहत किन्नौर के इस भ्रमण के दौरान युवाओं को यहां के अलग अलग गांवों में जाकर स्थानीय लोगों, पंचायतों, स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों से मिलने का अवसर भी मिलेगा। जिससे वे न केवल देश की विविधतापूर्ण संस्कृति से अवगत होंगे बल्कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के विभिन्न आयामों को जान सकेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत संचालित माई भारत द्वारा किया गया है। विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम-2026का शुभारंभ कल भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के बेस कैंप, रिकांगपिओ (किन्नौर) में हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में बिहार, दमन एवं दीव, झारखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के प्रतिभागी शामिल हुए हैं। शिविर स्थल पर सभी प्रतिभागियों का पारंपरिक हिमाचली रीति-रिवाजों के अनुसार हिमाचली टोपी और खतक भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को कार्यक्रम से संबंधित आवश्यक सामग्री, दिशा-निर्देश पुस्तिका तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं से युक्त किट वितरित की गई। पहले दिन प्रतिभागियों को शिविर की रूपरेखा, उद्देश्यों और आगामी गतिविधियों की जानकारी भी दी गई।

इस कार्यक्रम के जरिए देश के विभिन्न भौगोलिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों से आए युवाओं को आपस में परिचित होने, विचारों का आदान-प्रदान करने और नई मित्रताएं स्थापित करने का अवसर मिल रहा है। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण मंच बताया। उल्लेखनीय है कि विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती गांवों के समग्र विकास, स्थानीय संस्कृति के संरक्षण, युवाओं की सहभागिता तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को सीमांत क्षेत्रों की सामाजिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक गतिविधियों से अवगत कराया जाएगा, जिससे वे ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को समझ सकें। माई भारत अभियान के मुताबिक यह पहल युवाओं के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सामाजिक जागरूकता और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संक्षिप्त-समाचार

अनंतनाग पुलिस ने ड्रग माफिया पर कार्रवाई तेज की, एक दिन में 6 एफआईआर दर्ज

अनंतनाग। मादक पदार्थों की तस्करी और उनसे संबंधित गतिविधियों के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए अनंतनाग पुलिस ने एक ही दिन में 6 एनडीपीएस मामले दर्ज करके बड़ी सफलता हासिल की जिसके परिणामस्वरूप 4 आरोपियों की गिरफ्तारी, प्रतिबंधित सामग्री की बरामदगी और अवैध रूप से उगाई गई अफीम की खेती को नष्ट किया गया। हाई ग्राउंड क्रॉसिंग के पास सरनाल बाला में नियमित नाका जांच के दौरान पीपी शैरबाग की एक पुलिस टीम ने मोहसिन इरशाद वांट पुत्र इरशाद अहमद वांट निवासी अल-फारूक कॉलोनी, आंचिडोरा के कब्जे से 1.134 किलोग्राम चरस पाउडर बरामद किया। इस संबंध में अनंतनाग पुलिस स्टेशन में धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 168/2026 दर्ज की गई है और जांच शुरू कर दी गई है। एक अन्य महत्वपूर्ण कार्रवाई में बिजबेहरा पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम ने पजलपोरा में नाका चेकिंग के दौरान एक ड्रग तस्कर, जुनैद अहमद खान पुत्र बशीर अहमद खान निवासी उरानहॉल को गिरफ्तार किया और उसके पास से 88 ग्राम चरस बरामद की। तदनुसार धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 148/2026 दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल के कारावास की सजा

शिमला। शिमला जिले के जुब्बल क्षेत्र में एक नाबालिग बालिका के साथ यौन अपराध के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर पांच हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना अदा नहीं करने की स्थिति में उसे एक माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। पुलिस के अनुसार यह मामला 7 दिसंबर 2024 को थाना जुब्बल में दर्ज किया गया था। शिकायत में एक नाबालिग बालिका के साथ गंभीर यौन अपराध किए जाने के आरोप लगाए गए थे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और पीड़िता तथा उसके परिवार की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित की। जांच के दौरान पुलिस ने मामले से जुड़े सभी महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। पीड़िता का बयान कानूनी प्रक्रिया के तहत दर्ज किया गया। इसके अलावा चिकित्सीय जांच, वैज्ञानिक साक्ष्य और अन्य तकनीकी व परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को भी जांच का हिस्सा बनाया गया। पुलिस ने सभी तथ्यों और साक्ष्यों का गहन परीक्षण करने के बाद अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस और अभियोजन पक्ष ने अदालत के समक्ष साक्ष्यों और गवाहों को प्रभावी ढंग से पेश किया। इसके आधार पर फास्ट ट्रैक कोर्ट शिमला ने आरोपी अंशुल, पुत्र केवल राम, निवासी तहसील जुब्बल, जिला शिमला को दोषी ठहराया। अदालत ने आरोपी को पोक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

धर्मशाला में अवैध रूप से तंबाकू उत्पाद रखने व बेचने वाले 11 दुकानदारों के चालान

धर्मशाला। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, दुकानों पर तंबाकू उत्पाद नाबालिगों को न बेचने संबंधी अनिवार्य सूचना-पट्ट का प्रदर्शन न करना तथा खुले सिगरेट की बिक्री जैसी अनियमितताएं बरतने वाले 11 दुकानदारों के चालान किए गए हैं। वीरवार को जिला तंबाकू नियंत्रण उड़नदस्ता एवं नशा निवारण विशेष कार्यबल द्वारा धर्मशाला में तंबाकू नियंत्रण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न प्रावधानों के उल्लंघन पर 11 व्यक्तियों/प्रतिष्ठानों के चालान किए गए। यह अभियान डिपो बाजार, सिविल लाइंस, कॉलेज रोड, ज्वाहर नगर तथा एचपीसीए स्टेडियम के समीप चेलियां क्षेत्र में चलाया गया। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, दुकानों पर तंबाकू उत्पाद नाबालिगों को न बेचने संबंधी अनिवार्य सूचना-पट्ट (साइनेज) का प्रदर्शन न करना तथा खुले (लूज) सिगरेट की बिक्री जैसी अनियमितताएं पाई गईं। अधिकारियों ने बताया कि कोटपा अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है। वहीं, धारा 6(क) के अनुसार तंबाकू उत्पादों की बिक्री से संबंधित अनिवार्य चेतावनी बोर्ड का प्रदर्शन न करना कानून का उल्लंघन है। इसके अतिरिक्त, हिमाचल प्रदेश में लूज सिगरेट की बिक्री भी प्रतिबंधित है। यह अभियान स्वास्थ्य विभाग से जिला नोडल अधिकारी डॉ. अनुराधा के नेतृत्व में चलाया गया। अभियान दल में ड्रग इंस्पेक्टर मीनाक्षी, विशेष कार्यबल के उप निरीक्षक सुनील पटियाल, पुलिस विभाग की एएसआई इंदु बाला, विशेष कार्यबल के हेड कांस्टेबल विपिन तथा महिला कांस्टेबल कनक माला (नॉर्थ रेंज), स्वास्थ्य विभाग से सुरेश मंडयाल शामिल रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत पति व ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के आरोप

मंडी। मंडी जिला के थाना बल्ह के अंतर्गत एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के भाई ने पति, सास और ननद पर मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में रविकांत पुत्र लक्ष्मी चंद निवासी गांव लाग, डाकघर मलोह, तहसील सुंदरनगर, जिला मंडी ने बताया कि उसकी छोटी बहन कुशमा देवी उर्फ शालू का विवाह अमित कुमार पुत्र लाल सिंह निवासी गांव रठोहा, डाकघर टिक्कर, तहसील बल्ह के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। शिकायतकर्ता के अनुसार विवाह के कुछ वर्षों बाद से ही कुशमा देवी को उसका पति, सास तथा छोटी ननद शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि इसी प्रताड़ना से परेशान होकर कुशमा देवी ने आत्मघाती कदम उठाया।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

विकसित भारत अभियान की सफलता में नवीन जिंदल का कुरुक्षेत्र मॉडल देश के सामने पेश करेगा नजीर: अर्चना गुप्ता

विदेश में केवल स्किल आधारित युवाओं की जरूरत, फाउंडेशन करेगी लक्ष्य प्राप्ति में मदद : जिंदल

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

विदेश में रोजगार पाने के इच्छुक युवाओं के लिए सांसद नवीन जिंदल के मार्गदर्शन में नवीन जिंदल फाउंडेशन की ओर से अंतर्राष्ट्रीय रोजगार महोत्सव आयोजित किया गया। नवीन अवसर कार्यक्रम के तहत हुए इस महोत्सव में हजारों की संख्या में युवा वर्ग में उत्साह दिखाया। इस अवसर पर भाजपा की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल युवाओं को रोजगार देने के मामले में देश के सामने आ रही चुनौती को स्वीकार करते हुए इससे निपटने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिंदल द्वारा कुरुक्षेत्र में किए जा रहे स्किल ट्रेनिंग में अन्य विकास कार्यों को लेकर कुरुक्षेत्र मॉडल पूरे देश के सामने एक नजीर पेश करेगा। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिंदल की सोच है कि युवाओं के अंदर हुनर हो और वे स्किल में निपुण होने को प्राथमिकता दें ताकि रोजगार के लिए किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय खुद का सेटअप खड़ा किया जा सके। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कुरुक्षेत्र लोकसभा के युवा बेहद खुशनसीब है कि उन्हें नवीन जिंदल जैसे साधन संपन्न और प्रोग्रेसिव सोच रखने वाले सांसद मिले।

हिसार से विधायक एवं पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल ने कहा कि स्वर्गीय ओपी जिंदल जी ने कुरुक्षेत्र को हमेशा अपना परिवार माना है और यहां के लोगों की जिम्मेदारी अब सांसद नवीन जिंदल को मिली है। जिसे वह पूरी तरह से निभा रहे हैं। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि अपने चुनावी घोषणा पत्र के दौरान किए गए वादे को पूरा करते हुए उन्होंने 2 साल के अंदर कुरुक्षेत्र में आधुनिक स्किल सेंटर और बाबैन में महात्मा ज्योतिबा फुले आईटीआई की स्थापना का कार्य पूरा किया। पिछले एक साल के दौरान स्किल सेंटर के जरिए 2500 युवाओं को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया गया। 15 कॉलेज और शिक्षण संस्थानों में फाउंडेशन ने अपने प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए हुए हैं ताकि वहां के युवाओं को भी प्रशिक्षित किया जा सके। जल्द ही कैथल के आरकेएसडी कॉलेज में भी कैथल इंटरनेशनल स्किल सेंटर शुरू होने जा रहा है। सांसद ने कहा कि युवा विदेश जाने के लिए सही रास्ता चुने विदेश में तकनीक और टैलेंट की जरूरत है। जमीन बेचकर विदेश जाना समस्या का हल नहीं है। बल्कि स्किल आधारित ट्रेनिंग के जरिए किसी भी फील्ड में जाकर रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

पूर्व मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल ने जो योजनाएं शुरू की हैं। उनसे कुरुक्षेत्र और कैथल के हजारों युवाओं को लाभ मिल रहा है। ऐसे सांसद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना हम सब का दायित्व है। स्इस अवसर पर महामंडलेश्वर डॉ. शाश्वतानंद, महामंडलेश्वर राघवेंद्र भारती, संत शंकारानंद महाराज, बड़ा उदासीन अखाड़ा से महंत महेश मुनि, पूंडरी विधायक सतपाल जाम्बा, पूर्व विधायक तेजबीर सिंह, रोहतक के पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, डॉ. जगविंद्र विर्क, चेयरमैन गुरनाम सैनी, जिलाध्यक्ष तेजेंद्र खैहरा गोल्डी, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष गीता शर्मा, सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह, कैथल प्रभारी रविंदर धीमान, अश्विनी जैन, रोहित गुप्ता, विनोद गर्ग, संजीव सीकरी, खरैती लाल सिंगला, विजय वेदपाल, राजेश सिंगला, मनोज दुआ, नवनीत गोयल, हरिओम अग्रवाल, देवेंद्र जिंदल, नसीब ककहेड़ा, प्रदीप बदनारा, नवीन जिंदल फाउंडेशन की ओर से डॉ. मनीष मिश्रा, कर्नल अरुण चंदेल, अभिषेक सहगल आदि उपस्थित रहे।

राज्य सरकार प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को अत्याधुनिक सुविधाएं देने के लिए उठा रही है कदम : स्वास्थ्य मंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- अंबाला नागरिक अस्पताल में अत्याधुनिक पेट और स्पेक्ट सुविधाएं शुरू करने को सीएम ने दी मंजूरी

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को अत्याधुनिक सुविधाएं देने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में हरियाणा के जनस्वास्थ्य ढांचे को एक बड़ी मजबूती देते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला नागरिक अस्पताल में अत्याधुनिक पेट और स्पेक्ट सुविधाएं शुरू करने को औपचारिक मंजूरी दे दी है।

राज्य सरकार का यह बड़ा कदम सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। इस अपग्रेडेशन के बाद सरकारी अस्पताल भी सुपर-स्पेशियलिटी निजी अस्पतालों की तर्ज पर उच्च स्तरीय डायग्नोस्टिक सेवाएं देने में सक्षम हो सकेंगे। इस न्यूक्लियर मेडिसिन सुविधा की शुरूआत से अस्पताल में भर्ती गंभीर मरीजों, विशेषकर कैंसर, न्यूरोलॉजिकल (मस्तिष्क संबंधी) और हृदय रोगों से पीड़ित लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। पेट और स्पेक्ट जैसी उन्नत तकनीकें शरीर के भीतर कोशिकीय गतिविधियों और रक्त प्रवाह की सटीक मैपिंग करती हैं, जिससे डॉक्टरों को ट्यूमर और अन्य गंभीर विकृतियों का बेहद शुरूआती चरणों में पता लगाने में मदद मिलती है। इसके शुरू होने से गंभीर मरीजों को आपातकालीन स्थिति में तुरंत सटीक इलाज मिल सकेगा।

इससे पहले, अंबाला और उसके आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को इन विशेष स्कैन के लिए महंगे निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों पर निर्भर रहना पड़ता था या फिर चंडीगढ़ के पीजीआई ([illegible]) जैसे बड़े संस्थानों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इस फैसले से अब यह खाई पूरी तरह पाट जाएगी और एक ही छत के नीचे सस्ती व विश्वस्तरीय जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे स्थानीय परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ काफी कम होगा और समय पर इलाज मिलने से मरीजों की जान बचाई जा सकेगी।

यह मंजूरी जिला स्तर के अस्पतालों को आधुनिक चिकित्सा तकनीक से लैस करने की हरियाणा सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। अंबाला नागरिक अस्पताल जैसे क्षेत्रीय केंद्रों को अपग्रेड करके, राज्य सरकार का उद्देश्य विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण करना है। इससे न केवल बड़े रेफरल अस्पतालों पर मरीजों का दबाव कम होगा, बल्कि उत्तरी हरियाणा में गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के बचने और उनके जल्द ठीक होने की दर में भी बड़ा सुधार आएगा।

सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों में शुरू होंगे नए रोजगारोन्मुखी कोर्स: महीपाल ढांडा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करने और प्रदेश की तकनीकी शिक्षा को आधुनिक बनाने के लिए सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। सरकार द्वारा आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से राज्य के विभिन्न राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों में कई नए आधुनिक, उद्योगोन्मुखी डिप्लोमा एवं तकनीकी पाठ्यक्रम (कोर्स) प्रारम्भ किए जा रहे हैं। शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा यह कदम उद्योगों की वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं, तकनीकों तथा कौशल आधारित रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि आज का युग तेजी से बदलती तकनीक का है, इसलिए हमारे युवाओं के पास ऐसे हुनर होने चाहिए जो उन्हें तुरंत रोजगार दिला सकें। उन्होंने बताया कि राजकीय संस्थानों में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (वीएलएसआई डिजाइन एवं टेक्नोलॉजी), साइबर फॉरेंसिक्स एवं सूचना सुरक्षा, टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, आर्टीफिसर ट्रेनिंग (इलेक्ट्रिकल), पर्यावरण इंजीनियरिंग, जियो इन्फॉर्मेटिक्स एवं सर्वेक्षण प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी, टेक्नीशियन एक्स-रे टेक्नोलॉजी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, शुगर टेक्नोलॉजी तथा एपैरल डिजाइन एवं फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स शुरू होंगे।

श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि इन सभी नए पाठ्यक्रमों में प्रत्येक कोर्स के लिए 60-60 विद्यार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था की गई है। इन पाठ्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकों, डिजिटल सुरक्षा, हरित प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवाओं, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तथा विशेष औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित व्यावहारिक व रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है।

कला प्रदर्शनियां समाज को देती हैं संवेदनशील दृष्टिकोण: प्रो. वीरेंद्र पाल

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में ललित कला विभाग में आयोजित विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रख्यात छायाकार डॉ. पवन कुमार की एकल छायाचित्र प्रदर्शनी साइलेंस ऑफ मोमेंट्स का अवलोकन विश्वविद्यालय के कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेंद्र पाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित छायाचित्रों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी कला प्रदर्शनियों केवल रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम नही होतीं, बल्कि समाज को संवेदनशील दृष्टिकोण और सकारात्मक सोच प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य भी करती हैं।

कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेंद्र पाल ने कहा कि डॉ. पवन कुमार के छायाचित्र प्रकृति, समय और जीवन के सूक्ष्म तथा अनकहे पहलुओं को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी दर्शकों को उन क्षणों को महसूस करने के लिए प्रेरित करती है, जो सामान्यतः व्यस्त जीवनशैली के कारण अनदेखे रह जाते हैं। छायाकार डॉ. पवन कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों और शोधार्थियों को फोटोग्राफी की बारीकियों, दृश्य संरचना, प्रकाश एवं छाया के संतुलन तथा संवेदनात्मक अभिव्यक्ति की गहराई से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में शामिल चयनित छायाचित्रों को विश्वविद्यालय के अतिथि गृह तथा परिसर के प्रमुख स्थलों पर स्थायी रूप से प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे कला और सौंदर्य बोध विश्वविद्यालय के वातावरण का अभिन्न हिस्सा बन सकें। ललित कला विभाग के अध्यक्ष डॉ. गुरचरण सिंह ने कहा कि साइलेंस ऑफ मोमेंट्स विद्यार्थियों, शोधार्थियों और कला प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक प्रदर्शनी सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि छायाचित्र केवल दृश्य अभिलेख नहीं, बल्कि भावनाओं, अनुभवों और विचारों के प्रभावी माध्यम होते हैं। इस प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवेदनशील अवलोकन और रचनात्मक अभिव्यक्ति का महत्व समझने का अवसर प्रदान किया है। प्रदर्शनी के समापन अवसर पर प्रो. संजीव अरोड़ा, प्रो. भगवान सिंह, प्रो. परमेश कुमार, प्रो. दीपक बब्बर, कुटा प्रधान डॉ. जितेंद्र कुमार सहित अनेक शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रदर्शित छायाचित्रों की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. राकेश बानी, डॉ. आर.के. सिंह तथा विभाग के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। कुलसचिव लेफ्टिनेंट प्रो. वीरेंद्र पाल ने इस सफल आयोजन के लिए ललित कला विभाग और छायाकार डॉ. पवन कुमार को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

संक्षिप्त-समाचार

डॉ. जितेंद्र शर्मा को मिला जूलॉजी विभाग के अध्यक्ष का प्रभार

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विश्वविद्यालय अधिनियम एवं संविधि, 1986 की धारा 11(5) के तहत कार्यकारिणी परिषद की मंजूरी से बायो-टेक्नोलॉजी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर और फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय के डीन प्रो. जितेंद्र शर्मा को तत्काल प्रभाव से जूलॉजी विभाग के अध्यक्ष का कार्यभार आगामी आदेशों तक सौंपा है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी। उन्होंने बताया कि प्रो. जितेन्द्र शर्मा आगामी आदेशों तक अपने मौजूदा कर्तव्यों के साथ-साथ इस नए पद की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

नांगल चौधरी में 11.65 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक कम्युनिटी हेल्थ सेंटर: आरती सिंह राव

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार स्वस्थ हरियाणा, समृद्ध हरियाणा के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में नांगल चौधरी क्षेत्र में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार ने लगभग 11.65 करोड़ रुपये की लागत से एक नए और अत्याधुनिक कम्युनिटी हेल्थ सेंटर के निर्माण को हरी झंडी दे दी है तथा इस परियोजना के लिए टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार राज्य को स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी बनाने और ग्रामीणों तक बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने को लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस नए कम्युनिटी हेल्थ सेंटर के निर्माण से नांगल चौधरी और इसके आस-पास के ग्रामीण इलाकों के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। अब यहां के नागरिकों को छोटी-बड़ी बीमारियों के इलाज और आधुनिक जांचों के लिए दूर-दराज के बड़े शहरों या निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इस केंद्र के बनने से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि लोगों का पैसा भी बचेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त और सुलभ बनाना है। यह चिकित्सा केंद्र पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं और उपकरणों से लैस होगा, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने बताया कि इस भवन का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा, ताकि क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ समय पर मिलना शुरू हो सके।

हरियाणा में मत्स्य पालकों को निर्धारित समय-सीमा में मिलेंगी सब्सिडी सेवाएं

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने मत्स्य पालन विभाग की 11 सब्सिडी योजनाओं को हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के दायरे में लाते हुए इनकी समय-सीमा निर्धारित की है। इससे लाभार्थियों को निर्धारित समय-सीमा के अन्दर इन सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सघन मत्स्य पालन विकास कार्यक्रम हेतु सब्सिडी के तहत ऑटो, फोर-व्हीलर अथवा मिनी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सब्सिडी का लाभ अब 40 दिनों की निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत जेनेटिक सुधार कार्यक्रम एवं न्यूक्लियस ब्रीडिंग सेंटर (एनबीसी) की स्थापना पर सब्सिडी, नवाचार एवं अभिनव गतिविधियों, स्टार्टअप, इनक्यूबेटर और पायलट परियोजनाओं के लिए सब्सिडी तथा प्रशिक्षण, जागरूकता, अनुभव एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर सब्सिडी के लिए 50 दिन की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसी प्रकार एकीकृत सजावटी (ओनार्मेंटल) फिश यूनिट (ताजे पानी की मछलियों का प्रजनन एवं पालन) की स्थापना , ताजे पानी के सजावटी मछली ब्रूड बैंक की स्थापना तथा मनोरंजक मत्स्य पालन (रीक्रिएशनल फिशरीज) को बढ़ावा देने हेतु सब्सिडी भी अब 50 दिनों के भीतर प्रदान की जाएगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में करें सुनिश्चित : अमन कुमार

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- एसडीएम थानेसर ने पत्रकार वार्ता में एसआईआर बारे दी विस्तृत जानकारी
- 223905 मतदाताओं में से 114000 मतदाताओं की मैपिंग का कार्य हुआ पूरा

थानेसर विधानसभा के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम अमन कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों को अधिक शुद्ध, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने मतदाताओं से इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय सहयोग करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया केवल पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए संचालित की जा रही है।

एसडीएम अमन कुमार वीरवार को उपमंडल कार्यालय थानेसर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि थानेसर विधानसभा क्षेत्र में यह विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान के तहत मतदाता सूची का व्यापक सत्यापन कर उसे शुद्ध किया जाएगा, जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता और अधिक मजबूत हो।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता और सशक्त जनभागीदारी के लिए मतदाता सूची का त्रुटिरहित होना अत्यंत आवश्यक है। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान मृत मतदाताओं के नाम हटाने, दोहरी प्रविष्टियों को समाप्त करने, स्थानांतरित मतदाताओं के रिकॉर्ड को सत्यापित करने तथा नए पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोडने.का कार्य किया जाएगा। इस पुनरीक्षण के लिए 1 जुलाई, 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है।

एसडीएम अमन कुमार ने कहा कि 12 जूनतक बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके बाद 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और आवश्यक जानकारी एकत्रित करेंगे। इसी दौरान मतदान केंद्रों के रेशनलाइजेशन की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी, ताकि मतदाताओं को मतदान के दौरान बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। थानेसर में करीब 20 बूथों पर 1200 से अधिक मतदाता है उनके रेशनलाइजेशन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

हरियाणा के राज्यपाल ने युवाओं से रोजगार सृजक बनकर विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का किया आह्वान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजक बनने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि युवा उद्यमिता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को अपनाकर अपने विचारों को सफल उद्यमों में परिवर्तित करें तथा दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

राज्यपाल आज यहां लोक भवन में एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत आयोजित युवा संगम कार्यक्रम के तहत हरियाणा दौरे पर आए त्रिपुरा के छात्र प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित थीं।

युवाओं की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ अग्रसर है। इस राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में केवल सरकारों और संस्थाओं की ही नहीं, बल्कि देश के युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और प्रतिबद्धता की भी अहम भूमिका है।

उन्होंने छात्रों से अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग करते हुए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप और नवाचार आधारित उद्यम स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं में अपार प्रतिभा और अटूट संकल्प है। यदि वे अपनी ऊर्जा को उद्यमिता और नवाचार की दिशा में लगाएं तो वे देश की प्रगति और आर्थिक विकास के प्रमुख वाहक बन सकते हैं।

युवा संगम कार्यक्रम को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच का परिणाम बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह कार्यक्रम देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों को निकट से जानने और समझने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जब त्रिपुरा का एक युवा छात्र हरियाणा के एक युवा छात्र से मिलता है, तो यह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं होता, बल्कि दो संस्कृतियों, परंपराओं और आकांक्षाओं का संगम होता है। यही एक भारत श्रेष्ठ भारत की वास्तविक भावना है।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री विजय कुमार भाविकट्टी, एडीसी स्क्वाड्रन लीडर पी. भरत, एनआईटी कुरुक्षेत्र के निदेशक प्रो. ब्रह्मजीत सिंह, संकाय सदस्य, छात्र समन्वयक तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में विशेष कार्यक्रम

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा होंगे मुख्य अतिथि, एनआईटी के प्रो. बलदेव सेतिया देंगे मुख्य वक्तव्य

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन संस्थान द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को प्रातःसंस्थान के सेमिनार हॉल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा होंगे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन से किया जाएगा। इसके पश्चात पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा हरित जीवनशैली को बढ़ावा देने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), कुरुक्षेत्र के वरिष्ठ शिक्षाविद् प्रो. बलदेव सेतिया कार्यक्रम में मुख्य वक्ता (की-नोट स्पीकर) के रूप में उपस्थित रहेंगे तथा ह्लपर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिकाह्व विषय पर अपना व्याख्यान देंगे। उनके संबोधन से विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान हेतु वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवीन तकनीकों की जानकारी प्राप्त होगी।

पर्यावरण अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. परमेश कुमार ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को समझने और उन्हें व्यवहार में उतारने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता ह्रास तथा प्रदूषण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

1 किलोवाट उपभोक्ताओं के घर बिना बैंक गारंटी लगेगा सोलर सिस्टम, बिजली बिल होगा शून्य : अनिल विज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- 5 किलोवाट तक के नियमित बिल भरने वाले उपभोक्ताओं को बिना बैंक ऋण मिलेगा सोलर सिस्टम, आसान किस्तों में होगी भुगतान व्यवस्था : विज

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि राज्य सरकार एक नई योजना पर कार्य कर रही है, जिसके तहत 1 किलोवाट लोड वाले घरेलू उपभोक्ताओं को भी सौर ऊर्जा प्रणाली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना की विशेषता यह होगी कि लाभार्थियों को बैंक ऋण या गारंटी के लिए किसी बैंक के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। विभाग के कर्मचारी स्वयं उपभोक्ताओं के घर जाकर प्रक्रिया पूरी करेंगे और उनकी छतों पर सोलर सिस्टम स्थापित करवाएंगे। इसके बाद ऐसे उपभोक्ताओं का बिजली बिल लगभग शून्य हो जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 1 किलोवाट तक के लोड वाले 7 लाख से अधिक उपभोक्ता हैं, जिन्हें इस योजना का लाभ मिल सकता है। श्री विज मीडिया कर्मियो के सवालों का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने आगे बताया कि नियमित रूप से बिजली बिल जमा करने वाले 5 किलोवाट तक के उपभोक्ताओं के लिए भी इसी प्रकार की व्यवस्था प्रस्तावित है। इस योजना में मिलने वाली सरकारी सब्सिडी के अतिरिक्त शेष राशि उपभोक्ताओं से आसान किस्तों में ली जाएगी तथा इसके लिए भी बैंक ऋण की आवश्यकता नहीं होगी। इसी प्रकार, श्री विज ने कहा कि हाल ही में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल के समक्ष उन्होंने एक प्रस्ताव भी रखा है, जिसके तहत ऐसे किसान जिनकी भूमि खाली पड़ी है और जिनके परिवार के सदस्य बाहर रहते हैं, वे अपनी भूमि पर स्वयं के खर्च पर सोलर प्लांट स्थापित कर सकेंगे। इसके बाद सरकार निर्धारित दरों पर उनसे उत्पादित बिजली खरीदेगी। इससे किसानों को अतिरिक्त आय का स्त्रोत मिलेगा और राज्य में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए हरियाणा को आज राष्ट्रीय स्तर पर तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरस्कार सिफारिशों के आधार पर नहीं, बल्कि कार्य के आधार पर मिलते हैं और सरकार हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करती है। श्री विज ने बताया कि केंद्र सरकार ने हरियाणा को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में और अधिक प्रयास करेगी तथा हरियाणा को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।

श्री विज ने कहा कि उन्हें सरकार में जहां भी जिम्मेदारी दी गई, उन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं गृह जैसे महत्वपूर्ण विभागों में कार्य करते हुए उन्होंने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं और स्वास्थ्य विभाग में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें अभिनेता अमिताभ बच्चन के हाथों सम्मानित भी किया गया था।

उन्होंने कहा कि इसी क्रम में आज प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत हरियाणा को केंद्र सरकार द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत हरियाणा में सर्वाधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार ने चालू वर्ष में 2.20 लाख सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे निर्धारित समय से पहले पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

श्री विज ने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य की ऊर्जा का प्रमुख स्त्रोत सौर ऊर्जा ही है, क्योंकि कोयला, गैस और पेट्रोल जैसे पारंपरिक ऊर्जा संसाधन सीमित हैं। प्रकृति द्वारा प्रदत्त इस अक्षय ऊर्जा स्त्रोत का अधिकतम उपयोग कर राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत भी राज्य के किसानों ने बड़ी संख्या में सोलर पंप स्थापित करवाए हैं। हाल ही में योजना का पोर्टल बंद किया गया है, लेकिन अभी भी हजारों आवेदन लंबित हैं, जिनका शीघ्र निपटारा किया जाएगा और पात्र किसानों को सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे।

संपादकीय

न्यायपालिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : सुप्रीम कोर्ट की सतर्क और दूरदर्शी पहल

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायिक क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उपयोग को लेकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। न्यायालय ने 'न्यायालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग संबंधी विनियम, 2026' का मसौदा प्रकाशित किया है और 20 जून 2026 तक सभी हितधारकों तथा आम जनता से सुझाव व टिप्पणियाँ आमंत्रित की हैं। यह मसौदा सर्वोच्च न्यायालय की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिति के तत्वावधान में तैयार किया गया है। इस पहल को केवल एक तकनीकी नियमावली के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह न्यायपालिका की उस गहरी समझ का प्रमाण है जिसमें वह मानती है कि तकनीक का स्वागत तो होना चाहिए, किंतु उसकी लगाम हमेशा मानवीय विवेक के हाथ में रहनी चाहिए। प्रस्तावित विनियम सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयों, अधिकरणों और न्यायिक कार्य करने वाले सांविधिक आयोगों पर भी लागू होंगे। इनका मूल उद्देश्य है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, न्याय व्यवस्था की सहायक भूमिका में काम करे, न कि निर्णायक की। इस ढाँचे की नींव मानवीय सर्वोच्चता, पारदर्शिता, जवाबदेही, डेटा संरक्षण और न्यायिक स्वतंत्रता जैसे मूल्यों पर रखी गई है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सर्वोच्च न्यायालय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक उपकरण मानता है, मालिक नहीं। मसौदे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुमत उपयोगों की एक विस्तृत सूची दी गई है। मामलों का प्रबंधन, सुनवाई की तारीखें तय करना, वाद-सूची तैयार करना, कार्यवाही का प्रतिलेखन, कानूनी दस्तावेजों का अनुवाद, विधिक शोध, उद्धरणों की जाँच, दस्तावेजों का सारांश तैयार करना, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभता सेवाएँ, निर्णयों और न्यायालय अभिलेखों का अनामीकरण तथा प्रशासनिक कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा सकेगा। परंतु इन अधिकांश उपयोगों के लिए पूर्व अनुमति और मानवीय निगरानी अनिवार्य होगी। इस प्रकार का विवेकपूर्ण संतुलन ही इस नीति की सबसे बड़ी शक्ति है। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि मसौदे में कुछ पूर्ण निषेधों का उल्लेख है जो न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणाली किसी भी मामले में स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं कर सकती। पुनरावृत्ति जोखिम आकलन, जमानत पात्रता, फरार होने के जोखिम का मूल्यांकन या गवाहों की विश्वसनीयता परखने जैसे संवेदनशील कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। इसके अलावा, पक्षकारों या गवाहों के भविष्य के व्यवहार की भविष्यवाणी करना, न्यायिक अधिकारियों या वादकारियों की निगरानी करना, तथा अपारदर्शी और अस्पष्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणालियों का उपयोग भी वर्जित रहेगा। ये प्रतिबंध न केवल न्यायोचित हैं, बल्कि आवश्यक भी हैं। न्याय एक मानवीय प्रक्रिया है और इसकी आत्मा को किसी एल्गोरिदम के हाथ में नहीं सौंपा जा सकता। मसौदे में प्रकटीकरण की एक महत्वपूर्ण शर्त भी जोड़ी गई है। यदि कोई पक्षकार या अधिवक्ता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से अर्जी, दस्तावेज या साक्ष्य तैयार करता है, तो उसे इसका खुलासा न्यायालय के समक्ष करना होगा। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहायता की प्रकृति और सीमा भी स्पष्ट करनी होगी। इससे न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहेगी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग की संभावना कम होगी। संस्थागत ढाँचे के रूप में एक स्थायी शीर्ष निकाय के गठन का प्रस्ताव है जिसमें न्यायाधीश, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश, तकनीकी विशेषज्ञ, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और प्रौद्योगिकी कानून में दक्ष अधिवक्ता शामिल होंगे। यह निकाय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणालियों के मानक तय करेगा, उन्हें अनुमोदित करेगा और वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करेगा। इसके अतिरिक्त प्रत्येक उच्च न्यायालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिति, समर्पित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सचिवालय, नियमित तकनीकी, कानूनी और नैतिक लेखापरीक्षा, घटना रिपोर्टिंग तंत्र तथा न्यायाधीशों, वकीलों और न्यायालय कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रावधान किया गया है। यह मसौदा उस समय आया है जब सर्वोच्च न्यायालय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-निर्मित फर्जी उद्धरणों के खतरे से पहले ही आगाह कर चुका है और केरल तथा गुजरात उच्च न्यायालय जिला न्यायपालिका के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दिशा-निर्देश जारी कर चुके हैं। इस पृष्ठभूमि में सर्वोच्च न्यायालय का यह व्यापक और समावेशी प्रयास न्यायिक संस्था की परिपक्वता को दर्शाता है। निष्कर्षतः, यह मसौदा तकनीक और न्याय के बीच एक स्वस्थ सीमा-रेखा खींचने का सराहनीय प्रयास है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस न्यायपालिका का सेवक हो सकता है, लेकिन उसे कभी न्यायाधीश नहीं बनने दिया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मूल सिद्धांत को अपने मसौदे में जिस स्पष्टता और दृढ़ता से स्थापित किया है, वह भावी पीढ़ियों के लिए एक प्रेरक मिसाल बनेगा।

न्यायालय के आलोक में बेटी का अधिकार

डॉ. निवेदिता शर्मा (हि.स)

भारतीय न्यायपालिका ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि न्याय हमेशा समाज की बदलती वास्तविकताओं को स्वीकार करते हुए समानता, गरिमा और मानवीय अधिकारों की रक्षा का सशक्त माध्यम है। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिया गया हालिया निर्णय, जिसमें विवाहित बेटियों को अनुकंपा नियुक्ति एवं आश्रित कोटे के लाभों से बाहर रखने को असंवैधानिक ठहराया गया है, भारतीय न्यायिक इतिहास में महिला अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला निर्णय कहलाएगा।

वास्तव में यह निर्णय उस सोच को भी चुनौती देता है जो विवाह के बाद बेटी को उसके माता-पिता के परिवार से अलग मान लेने की प्रवृत्ति रखती है। कई बार माता-पिता के लिए भी और कई बार परिवार के भाई एवं अन्य कुटुम्बजनों के लिए। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने स्पष्ट कहा कि विवाहित पुत्री को ह्लपरिवारह्व की परिभाषा से बाहर रखना मनमाना, अनुचित तथा संविधान के समानता सिद्धांत के विपरीत है।

आज न्यायालय की इस संबंध में अत्यंत सारगर्भित टिप्पणी बता रही है कि विवाह न तो बेटी और उसके माता-पिता के बीच के संबंध को समाप्त करता है और न ही यह मान लेने का कोई आधार देता है कि वह अब अपने परिवार पर आश्रित नहीं रही। इसके साथ ही यह कथन भारतीय समाज की वास्तविक स्थिति को अभिव्यक्त भी करता है, जहां आज असंख्य विवाहित बेटियां अपने माता-पिता की देखभाल करती हैं, उनके आर्थिक और सामाजिक संबल का आधार बनती हैं तथा कठिन परिस्थितियों में परिवार की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाती हैं।

आप यह भी कह सकते हैं कि कुलसुम निशा के मामले में न्यायालय ने कानून की व्याख्या नवीन अर्थों के साथ की है, जिसमें जीवन की वास्तविकताओं को महत्व दिया गया। याचिकाकर्ता अपनी माता के निधन के पश्चात अपनी बहनों, जिनमें एक दृष्टिबाधित बहन भी शामिल है, के भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभा रही है। वे अपनी माता के साथ रहती थीं और उचित मूल्य की दुकान के संचालन में सहयोग करती थीं। इसके बावजूद, इसलिए उनकी अर्जी अस्वीकार कर दी गई थी क्योंकि वे विवाहित थीं। अब न्यायालय ने इस आधार को ही असंवैधानिक घोषित कर दिया है।

यह निर्णय बताता है कि न्यायपालिका व्यक्ति की वास्तविक परिस्थितियों को प्राथमिकता देती है, न कि रूढ़िगत धारणाओं को। वास्तव में यह निर्णय भारतीय संविधान की मूल भावना का विस्तार है। संविधान के अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 15 लिंग के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है। यदि विवाहित पुत्र को परिवार का सदस्य माना जा सकता है तो विवाह के कारण विवाहित पुत्री को उस अधिकार से वंचित करना स्पष्ट रूप से लैंगिक भेदभाव ही है। उच्चतम न्यायालय ने इसी असमानता को समाप्त करते हुए एक बार फिर यह संदेश दिया है कि अधिकार व्यक्ति की योग्यता, आवश्यकता और वास्तविक स्थिति के आधार पर निर्धारित होंगे, न कि उसके लिंग या वैवाहिक स्थिति के आधार पर।

अब यदि हम भारतीय संदर्भ में इस निर्णय को देखें तो ध्यान में आता है कि यह कोई अकेला उदाहरण नहीं है। भारतीय न्यायपालिका का अतीत महिलाओं और बेटियों के अधिकारों को निरंतर सुदृढ़ करने वाले निर्णयों से भरा हुआ है। वर्ष 2020 में उच्चतम न्यायालय ने विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा मामले में निर्णय देते हुए स्पष्ट किया कि पुत्री जन्म से ही पैतृक संपत्ति में पुत्र के समान अधिकार रखती है। इस निर्णय ने हिंदू उत्तराधिकार कानून की प्रगतिशील व्याख्या की। साथ में यह भी स्थापित किया कि बेटी परिवार की समान उत्तराधिकारी है, कोई गौण सदस्य नहीं।

इससे पूर्व भी विभिन्न मामलों में न्यायालय ने महिलाओं के संपत्ति अधिकार, गरिमामय जीवन, कार्यस्थल पर सुरक्षा और समान अवसरों को संविधान की मूल भावना के अनुरूप सुदृढ़ किया है। हम यहां यदि भारतीय न्याय परंपरा के व्यापक इतिहास को देखें तो यह कहना अनुचित होगा कि यहां स्त्री या पुत्री के प्रति न्याय का अभाव रहा है। भारतीय संस्कृति और न्याय-दर्शन में नारी को सम्मान का केंद्र माना गया है। मनुस्मृति का प्रसिद्ध वचन भी है, ह्लयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताःह्व इसका आशय यह है कि जहां महिलाओं का सम्मान होता है, वहीं समृद्धि, सद्भाव और श्रेष्ठता का वास होता है। यद्यपि समय के साथ सामाजिक व्यवहार में अनेक विकृतियां आईं और कुछ परंपराओं का दुरुपयोग भी हुआ, किंतु भारतीय न्याय-दर्शन का मूल स्वर सदैव नारी सम्मान और संरक्षण के पक्ष में रहा है।

याज्ञवल्क्य स्मृति, नारद स्मृति तथा अन्य प्राचीन विधि-ग्रंथों में स्त्रीधन और महिलाओं के अधिकारों को मान्यता दी गई है। भारतीय सभ्यता में माता को सर्वोच्च सम्मान दिया गया, कन्या को पूजनीय माना गया और परिवार व्यवस्था में महिला की केंद्रीय भूमिका को स्वीकार किया गया। आधुनिक भारत का संविधान इसी सांस्कृतिक आधार को लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ जोड़कर आगे बढ़ाता है, इसलिए जब उच्चतम न्यायालय बेटियों के अधिकारों की रक्षा करता है, तब वह सिर्फ आधुनिक संवैधानिक मूल्यों का पालन नहीं करता बल्कि भारतीय न्याय परंपरा के उस श्रेष्ठ पक्ष को भी आगे बढ़ाता है जिसमें व्यक्ति की गरिमा सर्वोपरि मानी गई है।

उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय का सबसे बड़ा संदेश यह है कि परिवार का अर्थ रक्त संबंधों की औपचारिक परिभाषा से ऊपर उठकर जिम्मेदारी, स्नेह, सहयोग और पारस्परिक निर्भरता है। आज की सामाजिक परिस्थितियों में यह मान लेना कि विवाह के बाद बेटी का अपने माता-पिता से संबंध समाप्त हो जाता है, वास्तविकता से परे है। अनेक परिवारों में बेटियां ही माता-पिता की सबसे बड़ी शक्ति और सहारा होती हैं इसलिए किसी कल्याणकारी योजना, अनुकंपा नियुक्ति या आश्रित कोटे के लाभ से उन्हें वैवाहिक स्थिति के आधार पर वंचित करना न्याय और समानता दोनों के विरुद्ध है।

यह निर्णय उन लाखों बेटियों के लिए आशा का संदेश है जो अपने परिवारों की जिम्मेदारियां निभा रही हैं और समाज में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही हैं। साथ ही यह प्रशासनिक तंत्र के लिए भी स्पष्ट निर्देश है कि कल्याणकारी योजनाओं का संचालन संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप किया जाए, न कि पुरानी और अप्रासंगिक धारणाओं के आधार पर। वहीं आज भारतीय न्यायपालिका का यह निर्णय इसलिए विशेष प्रशंसा का पात्र है क्योंकि उसने एक व्यापक सामाजिक संदेश दिया है कि बेटी विवाह के बाद भी बेटी ही रहती है; उसका अपने परिवार पर अधिकार, दायित्व और संबंध किसी वैवाहिक बंधन से समाप्त नहीं होते। निःस्संदेह, उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय भारतीय न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता, प्रगतिशीलता और न्यायप्रियता का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह निर्णय आने वाले समय में महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में स्मरण किया जाएगा तथा यह संदेश देता रहेगा कि भारत की न्याय व्यवस्था में बेटी कभी पराई नहीं होती, वह सदैव ही अधिकारों और सम्मान की समान भागीदार होती है।

(लेखिका, मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन करियर और पेशेवर जीवन के लिए अनुकूल रहने वाला है। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। परिवार के सदस्यों का सहयोग और समर्थन आपको आत्मविश्वास प्रदान करेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि के संकेत हैं। हालांकि अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। किसी कानूनी या दस्तावेजी मामले में लापरवाही न करें। स्वास्थ्य के लिहाज से भारी और तला-भुना भोजन करने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

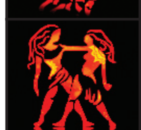
मिथुन: अत्यधिक आत्मविश्वास आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है, इसलिए संतुलन बनाए रखें। प्रेम संबंधों में गलतफहमियां उत्पन्न होने की आशंका है। मित्रों के साथ व्यवहार में विनम्रता रखें, अन्यथा दूरी बढ़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो सकती हैं। घर-परिवार में सुखद और सकारात्मक वातावरण बना रहेगा। व्यापारिक साझेदारी से जुड़ी योजनाओं पर विचार कर सकते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर आपका झुकाव बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कार्य करने के तरीके में सुधार लाने का प्रयास करें। किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। धन संबंधी लेन-देन सोच-समझकर करें। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: अचानक होने वाले खर्च आपके बजट को प्रभावित कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों पर मानसिक दबाव बढ़ सकता है। बच्चों की आदतों और गतिविधियों पर ध्यान देना जरूरी होगा। बातचीत के दौरान सरल और स्पष्ट भाषा का प्रयोग करें। *(सिटी दर्पण)*

तुला: कार्यक्षेत्र में आ रही चुनौतियों का समाधान मिलने की संभावना है। दिनभर व्यस्तता और भागदौड़ बनी रह सकती है। संपत्ति या रियल एस्टेट में निवेश करते समय पूरी जांच-पड़ताल करें। पुराने मित्रों से मुलाकात होने से मन प्रसन्न रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: कामकाज में अपेक्षा से अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है, लेकिन इसके सकारात्मक परिणाम भी मिलेंगे। मार्केटिंग और सेल्स से जुड़े लोगों के लिए समय लाभदायक रहेगा। वैवाहिक जीवन में सुख और सामंजस्य बना रहेगा। व्यापारिक या पेशेवर यात्रा के योग बन रहे हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनु: आज हर परिस्थिति में सत्य का साथ देना आपके लिए लाभकारी रहेगा। परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। संतान से संबंधित किसी विषय को लेकर चिंता हो सकती है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: अपने कार्यों में मन लगने के कारण आप दिनभर उत्साहित रहेंगे। विदेश यात्रा या विदेश से जुड़े अवसर प्राप्त हो सकते हैं। खरीदारी करते समय बजट का विशेष ध्यान रखें। ऑनलाइन शॉपिंग या डिजिटल लेन-देन में समय अधिक व्यतीत हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: राजनीति और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को अपेक्षित परिणाम मिलने में कठिनाई हो सकती है। परिस्थितियों पर गुस्सा करने के बजाय धैर्य और समझदारी से काम लें। वाहन चलाते समय सतर्क रहें। व्यापार विस्तार की योजनाओं में कुछ बाधाएं आ सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आर्थिक स्थिति मजबूत करने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। प्रेम विवाह या रिश्ते को परिवार की स्वीकृति मिलने की संभावना है। नई संपत्ति या निवेश से जुड़े निर्णय लिए जा सकते हैं। अपनी इच्छाओं और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आप सक्रिय रहेंगे।

ग्रेट निकोबारः भारत की समुद्री रणनीति का प्रमुख केंद्र

'जो राज्य अपनी सीमाओं, साझेदारियों और व्यापार मार्गों की सुरक्षा नहीं करता, वह अपने भविष्य को भी सुरक्षित नहीं रख सकता।'
- कौटिल्य

कौटिल्य की यह सीख सदियों पहले ही शासन और रणनीति की मूल सोच का हिस्सा बन चुकी थी, और आज के समय में यह पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक होकर सामने आई है। आज देशों की परीक्षा केवल उनकी अर्थव्यवस्था के आकार या सैन्य ताकत से नहीं हो रही, बल्कि इस बात से हो रही है कि वे भूगोल को कितनी अच्छी तरह समझते हैं, भविष्य का कितना सही अनुमान लगाते हैं और अवसर के खतरे में बदलने से पहले कितनी तेजी से निर्णय लेते हैं। ग्रेट निकोबार भारत के लिए ऐसी ही एक बड़ी परीक्षा है।

यह भारतीय मानचित्र के दक्षिणी-पूर्वी छोर पर स्थित एक दूरस्थ द्वीप जैसा प्रतीत होता है। ऐसी जगह जिसे दशकों से लगभग अछूता छोड़ दिया गया है और जिसे वैसे ही रहने देना चाहिए। परंतु ग्रेट निकोबार भारत की अग्रिम समुद्री चौकी है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के समीप स्थित यह द्वीप दुनिया की ओर भारत की सबसे अहम सामरिक अवसर में से एक है।

अतः ग्रेट निकोबार के प्रस्तावित विकास को केवल एक अवसंरचना परियोजना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह केवल एक बंदरगाह, हवाई अड्डा, टाउनशिप या बिजली संयंत्र बनाने का प्रश्न नहीं है। यह वास्तव में इस बात की सामरिक परीक्षा है कि क्या भारत अपनी इस दुर्लभ भौगोलिक बढ़त को राष्ट्रीय शक्ति में बदलने के लिए तैयार है।

सदियों से हिंद महासागर ने भारत की नियति को आकार दिया है। इसी समुद्री क्षेत्र ने हमारे व्यापार, हमारे विचारों और हमारे सभ्यतागत प्रभाव को विश्व भर में पहुंचाया, परन्तु कई बार यही हमारी कमजोरियों का कारण भी बना। तथापि, स्वतंत्रता के पश्चात लंबे समय तक भारत की सामरिक सोच मुख्य रूप से स्थल-आधारित रही।

यह निर्विवाद है कि ग्रेट निकोबार अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक स्थान है। यह अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह के सबसे बड़े द्वीपों में से एक है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 910 वर्ग किलोमीटर है। प्रस्तावित परियोजना का कुल क्षेत्रफल 166.10 वर्ग किलोमीटर है, जो सम्पूर्ण द्वीपसमूह के कुल क्षेत्रफल का केवल लगभग 2 प्रतिशत है। इसमें से 130.75 वर्ग किलोमीटर वन भूमि को परियोजना के लिए उपयोग में लाने का प्रस्ताव है, जो द्वीप समूह के कुल वन क्षेत्र का लगभग 1.82 प्रतिशत है।

यह दक्षिण-पूर्व एशिया के निकट स्थित है तथा मलक्का स्ट्रेट, 60 चैनल, सुंडा स्ट्रेट और लोम्बोक स्ट्रेट जैसे प्रमुख वैश्विक समुद्री मार्गों के समीप आता है। वास्तविक सामरिक दृष्टि से देखें तो यह भारत की पूर्वी समुद्री चौकी है।

इसका महत्व तब और स्पष्ट हो जाता है जब इसे केवल भूभाग के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि महासागरीय रणनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य से देखा जाए। कल्पना कीजिए उन जहाजों की, जो अदन की खाड़ी से मलक्का स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे हैं, ऊर्जा से भरे मालवाहक जहाज, जो पश्चिम एशिया और अफ्रीका से पूर्वी एशिया की ओर जा रहे हैं, एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ने वाला कंटेनर यातायात तथा नौसैनिक संसाधन, निगरानी मंच और लॉजिस्टिक श्रृंखलाएँ, जो इन जलमार्गों से होकर गुजर रही हैं।

हिंद महासागर अब शांत समुद्र नहीं रहा। यह तेजी से एक भीड़भाड़ वाले सामरिक क्षेत्र में बदल रहा है। ऊर्जा आपूर्ति, कंटेनर यातायात, नौसैनिक तैनाती, द्वीपीय सुविधाएं, समुद्र के नीचे बिछी केबलें और समुद्री निगरानी अब एक बड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन चुकी हैं। यह शायद मुख्य भूमि पर बैठे कई लोगों को दिखाई न दे, परन्तु देशों के भविष्य के लिए यह बेहद निर्णायक है।

हाल की एक महत्वपूर्ण प्रगति यह है कि अंडमान सागर को थाईलैंड की खाड़ी से जोड़ने वाली दशकों पुरानी कैनल परियोजना को स्थगित कर दिया गया है। इसके स्थान पर अब लगभग 90 किलोमीटर लंबे मल्टी-मोडल लैंड ब्रिज की योजना अंतिम स्वीकृति की प्रतीक्षा में है। यह परियोजना टेंथ पैरेलल के साथ दो नव-डिजाइन किए गए गहरे समुद्री बंदरगाहों को जोड़ेगी – एक अंडमान सागर के किनारे रणोंग में और दूसरा थाईलैंड की खाड़ी के किनारे चुम्फोन में। इसके साथ दोहरी ट्रैक्स वाली उच्च गति रेल, बहु-लेन सड़क, तेल एवं गैस के लिए ऊर्जा पाइपलाइनें तथा वायु एवं डिजिटल ग्रिड भी प्रस्तावित हैं। ये सभी कारक मिलकर इंडो-पैसिफिक व्यापार मार्गों को पूरी तरह पुनर्परिभाषित कर रहे हैं और आर्थिक शक्ति का केंद्र सीधे अंडमान बेसिन की ओर स्थानांतरित कर रहे हैं।

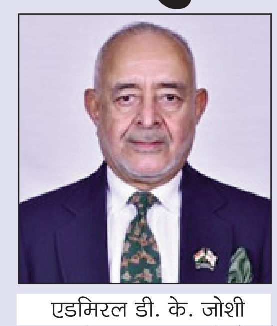
एडमिरल डी. के. जोशी

मलक्का स्ट्रेट विश्व के सबसे महत्वपूर्ण सामुद्रिक चोकपॉइंट्स में से एक है। यह हिंद महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ता है और अत्यंत मूल्यवान ऊर्जा संसाधनों (तेल और एलएनजी) तथा वैश्विक व्यापार का प्रमुख मार्ग है। ग्रेट निकोबार की गलाथिया खाड़ी 60 चैनल से लगभग 45 किलोमीटर दूर है, जो मलक्का स्ट्रेट को अफ्रीका, मध्य पूर्व और यूरोप की ओर जाने वाले समुद्री मार्गों से जोड़ती है। अनुमान है कि हर साल लगभग एक लाख जहाज मलक्का स्ट्रेट 60 चैनल मार्ग से गुजरते हैं। मलक्का, सुंडा और लोम्बोक जैसे सामरिक चोकपॉइंट्स के निकट स्थित होने के कारण यह द्वीप भारत को अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक बढ़त प्रदान करता है। कोई भी गंभीर सामुद्रिक शक्ति ऐसे भौगोलिक तथ्यों की उपेक्षा करने का जोखिम नहीं उठा सकती।

हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में अनेक शक्तिशाली देश बंदरगाहों, लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं, समुद्री पहुँच सुविधाओं, नौसैनिक संसाधनों, निगरानी प्रणालियों और आर्थिक गलियारों के माध्यम से निरंतर अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं।

भारत का उत्तर संकोचपूर्ण नहीं हो सकता। उसका उत्तर सामरिक सुदृढ़ीकरण होना चाहिए। संप्रभुता केवल मानचित्र पर सीमाएँ खींच देने से सुदृढ़ नहीं होती। वह तब सशक्त होती है जब कोई भूभाग जुड़ा हुआ, आबाद, सुविधायुक्त, उत्पादक और सामरिक रूप से उपयोगी बनता है। अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, टाउनशिप और विद्युत संयंत्र अलग-अलग परियोजनाएँ नहीं हैं। ये सभी मिलकर उस पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) का निर्माण करते हैं, जिसकी सहायता से भारत एक निर्णायक सामुद्रिक स्थान पर विश्वसनीय, सतत और बहुआयामी उपस्थिति बनाए रख सकता है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने समुचित जांच-पड़ताल और आपत्तियों के निस्तारण के बाद यह स्वीकार किया कि यह परियोजना केवल द्वीप और उसके आसपास के सामरिक क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए ही नहीं, बल्कि रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सिंगापुर केवल इसलिए एक महान सामुद्रिक केंद्र नहीं बना क्योंकि उसका भौगोलिक स्थान अनुकूल था। उसने उस स्थान के आस-पास आवश्यक क्षमताओं का निर्माण किया। भौगोलिक स्थिति ने उसे अवसर दिया, और उसके अवसंरचनात्मक विकास ने उस अवसर को प्रभाव में परिवर्तित किया। हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया एक और महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह दर्शाता है कि कोई दूरस्थ द्वीप भी, यदि उसे लॉजिस्टिक और परिचालन अवसंरचना से सुसज्जित किया जाए, तो असाधारण सामरिक महत्व प्राप्त कर सकता है। सामुद्रिक शक्ति केवल भूगोल से नहीं बनती; वह भूगोल का उपयोग करने की आवश्यक क्षमता विकसित करने से निर्मित होती है।

ग्रेट निकोबार भारत को यह सब एक संतुलित और विशिष्ट भारतीय दृष्टिकोण के साथ करने का अवसर प्रदान करता है। यह व्यापार को बढ़ावा दे सकता है और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकता है, विदेशी ट्रांसशिपमेंट केंद्रों पर निर्भरता कम कर सकता है, साथ ही भारत की सामुद्रिक पहुँच को विस्तारित कर सकता है तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक प्रवेश द्वार और व्यापक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए एक सामरिक मंच के रूप में कार्य कर सकता है। ग्रेट निकोबार में एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट भारत के उस सामग्री पर निर्भरता को कम कर सकता है जिसे वर्तमान में विदेशी बंदरगाहों के माध्यम से ट्रांसशिप किया जाता है। इससे सप्लाई चेन सुदृढ होगी, निवेश आकर्षित होगा, रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे और भारत को अपने सामग्री की आवाजाही पर अधिक नियंत्रण और निश्चितता प्राप्त होगी।

निस्संदेह, ग्रेट निकोबार पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। इस स्तर की किसी भी परियोजना को पारिस्थितिक सावधानी, कानूनी अनुपालन, वैज्ञानिक निगरानी और वास्तविक शमन उपायों के साथ लागू किया जाना चाहिए। विकास लापरवाह नहीं हो सकता। लेकिन पर्यावरणीय संवेदनशीलता को सामरिक चिंतन पर स्थायी वीटो का आधार भी नहीं बनाया जा सकता। वास्तविक चुनौती पर्यावरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच चयन करने की नहीं है। वास्तविक चुनौती यह है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ाया जाए।

वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या भारत इस सामरिक द्वीप का उत्तरदायित्व पूर्वक विकास करना चाहता है, अथवा फिर ऐसे समय में जब पूरा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पुनर्गठित हो रहा है, वह इस द्वीप को अविकसित और अपर्याप्त रूप से जुड़ा हुआ छोड़ देगा। भारत एक कॉन्टिनेंटल और सामुद्रिक – दोनों प्रकार की शक्ति है। लंबे समय तक स्थलीय सोच ने सामुद्रिक दृष्टिकोण पर हावी रहा है। अतः ग्रेट निकोबार परियोजना कोई विलासिता नहीं, बल्कि सामरिक दूरदृष्टि का प्रतीक है। किसी राष्ट्र की नियति केवल उन खतरों से निर्धारित नहीं होती जिनका वह सामना करता है, बल्कि उन अवसरों से भी तय होती है जिन्हें वह समय रहते पहचान लेता है। ग्रेट निकोबार ऐसा ही एक अवसर है। इसकी उपेक्षा करना भूगोल की उस सामरिक शक्ति को अनुपयोगी छोड़ देना होगा, जिसे बाद में अन्य शक्तियाँ अपने अनुसार आकार दे सकती हैं। वहीं, इसका विवेकपूर्ण विकास भूगोल को राष्ट्रीय शक्ति में परिवर्तित कर सकता है।

भारत को सामरिक दृष्टि से सोचने के लिए किसी से क्षमा मांगने की आवश्यकता नहीं है। उसे केवल उत्तरदायित्व पूर्वक, निर्णायक रूप से और स्पष्ट राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करने की आवश्यकता है। इंडो-पैसिफिक की इस शताब्दी में, ग्रेट निकोबार भारत का अंतिम छोर नहीं है, यह भविष्य के प्रवेश द्वार पर स्थित भारत का वॉचटावर है।

(लेखक वर्तमान में अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के उपराज्यपाल तथा द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष हैं। वे भारतीय नौसेना के पूर्व नौसेना प्रमुख (Chief of the Naval Staff) रह चुके हैं और वर्ष 2009-10 के दौरान अंडमान तथा निकोबार कमान (A&N Command) के कमांडर-इन-चीफ भी रहे हैं।)

मालवीय नगर अग्निकांड: जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में 21 लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त कर भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें- क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है?

किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है- सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है।

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं बल्कि रोकथाम का है।

दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं।

दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं।

भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सबकुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है।

दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है।

अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते।

इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है- क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यालयों, होटलों और आवासीय परिसरों में नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाने चाहिए। सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना को केवल एक समाचार बनाकर न छोड़ दिया जाए। सभी बहुमंजिला होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। जिन भवनों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। अग्निशमन विभाग को आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्थानीय निकायों और नगर नियोजन एजेंसियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि भविष्य में आपातकालीन वाहनों को रास्ता मिल सके।

सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे।

मृतकों को वापस नहीं लाया जा सकता। उनके परिवारों की पीड़ा को पूरी तरह कम नहीं किया जा सकता लेकिन यदि इस घटना से सबक लेकर सुरक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार किए जाएं, जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाए और अग्नि सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए, तो भविष्य में अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। यही इस त्रासदी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंजाब की मदर अप्रोच बच्चों की जान बचाने में ला रही है शानदार सुधार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल पहलों को मजबूती से लागू करके पंजाब बच्चों की जान बचाने के मामले में अग्रणी राज्यों में से एक बनकर उभरा है। एनएचएम द्वारा समर्थित इस स्वास्थ्य ढांचे को मदर अप्रोच के तहत तैयार किया गया है। इसमें एनएचएम की सभी पहलों को शामिल किया गया है ताकि बेहतर परिणामों के लिए मां और नवजात बच्चे को हर तरह से संपूर्ण सेवाएं प्रदान की जा सकें। परिणामस्वरूप, राज्य ने पिछले दशक के दौरान नवजात शिशु और बाल स्वास्थ्य संकेतकों में बड़ा सुधार किया है।

हाल ही में जारी किए गए सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) 2024 के आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 16 दर्ज की गई है, जो कि 24 के राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। इसके अलावा, प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) 11 और 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) 19 दर्ज की गई है। यह दर्शाता है कि राज्य ने नवजात मृत्यु दर को कम करने के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को 2030 की समय-सीमा से पहले ही हासिल कर लिया है।

इस प्रगति का श्रेय एकीकृत मदर अप्रोच (मां दृष्टिकोण) को दिया जा रहा है। यह एनएचएम के सहयोग से चलाई जा रही पहलों के इर्द-गिर्द तैयार किया गया एक व्यापक ढांचा है, जिसका मुख्य ध्यान मातृ स्वास्थ्य की मजबूती, पहुंच और सामुदायिक जागरूकता, तकनीक के माध्यम से नवजात शिशुओं की देखभाल, मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण, नवजात शिशुओं के लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार और रेफरल नेटवर्क पर है।

एम (मातृ स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण): इसके तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की शीघ्र पहचान और प्रबंधन को प्राथमिकता दी गई है, साथ ही प्रसव और नवजात शिशु की देखभाल तक समय पर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए रेफरल ढांचे को मजबूत किया गया है। जन्मजात और क्रोमोसोमल (गुणसूत्र) संबंधी विकारों की शीघ्र पहचान करने के लिए सभी उच्च-जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को एएनएम/एएससी स्तर तक मुफ्त लेवल-2 अल्ट्रासोनोग्राफी की सुविधा प्रदान की गई है।

ओ (आउटरीच एंड अवेयरनेस) यानी पहुंच और जागरूकता: इसके तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्तर तक 'केयर कंपेनियन प्रोग्राम' का विस्तार करके सामुदायिक स्तर की गतिविधियों को तेज किया गया। इन प्रयासों के माध्यम से माताओं और देखभाल करने वालों के बीच स्तनपान, नवजात शिशु की देखभाल, पोषण, साफ-सफाई और खतरे के संकेतों की शीघ्र पहचान करने के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई है।

टी (टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड नियोनेटल केयर) यानी तकनीक-सक्षम नवजात देखभाल: इसके तहत समय से पहले जन्मे बच्चों के लिए सभी जिला अस्पतालों में सीपीएपी (उढअढ) सहायता शुरू करके, नवजात शिशु स्थिरीकरण सेवाओं में सुधार करके और गंभीर रूप से बीमार बच्चों के लिए रेफरल प्रणाली को मजबूत करके तकनीक-आधारित राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों को लागू किया गया।

एच (मन रिसोर्स स्ट्रेंथनिंग) यानी मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण: इसके तहत स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सीमावर्ती और दूरदराज के जिलों में स्वास्थ्य कर्मियों को इलाके के अनुसार विशेष भत्ते दिए गए। इससे विशेषज्ञ डॉक्टरों को वहां बनाए रखने और मातृ एवं शिशु देखभाल सेवाओं को निरंतर जारी रखने में मदद मिली।

ई (एक्सपेंडेड नियोनेटल इंफ्रास्ट्रक्चर) यानी नवजात शिशुओं के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार: इसके माध्यम से पूरे राज्य में नवजात शिशुओं की देखभाल सेवाओं को काफी मजबूत और व्यापक बनाया गया। स्वास्थ्य प्रणाली के हर स्तर पर बीमार और समय से पहले जन्मे बच्चों के लिए विशेष देखभाल सुनिश्चित करने हेतु डिलीवरी पॉइंट्स पर 24 स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) / नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू), 81 न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट (एनबीएसयू) और 208 न्यूबॉर्न केयर कॉर्नर (एनबीसीसी) स्थापित किए गए।

आर (रेफरल नेटवर्क्स एंड पार्टनरशिप्स) यानी रेफरल नेटवर्क और साझेदारी: इस घटक ने आयुष्मान भारत के तहत एनएबीएच मान्यता प्राप्त निजी अस्पतालों को सूचीबद्ध करके और ग्रामीण/दूरदराज की सुविधाओं को विशेषज्ञ केंद्रों से जोड़ने वाले हब-एंड-स्पोक मॉडल को अपनाकर देखभाल की निरंतरता में सुधार किया है। मातृ स्वास्थ्य, पोषण, और मच्छरों/कीटों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम वाले कार्यक्रमों के साथ समन्वय को भी प्रोत्साहित किया गया, जिसने दस्त, संक्रमण और कुपोषण के कारण होने वाली बच्चों की मौतों को कम करने में बड़ा योगदान दिया।

इन कदमों का प्रभाव एनएफएचएस-5 (2019-21) की तुलना में हाल ही में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6, 2023-24) के परिणामों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। 6-8 महीने के बच्चों में पूरक आहार की दर 46.2% से बढ़कर 58.2% हो गई है। 12-23 महीने के बच्चों में पूर्ण टीकाकरण का दायरा 76.2% से बढ़कर 77.7% हो गया है; खसरे के टीकाकरण में भी वृद्धि हुई है; पहली खुराक 88.1% से बढ़कर 92.3% और दूसरी खुराक 56.7% से बढ़कर 60.7% हो गई है। इसी तरह, 12-23 महीने के बच्चों के लिए रोटावायरस वैक्सीन एनएफएचएस-5 के 65.9% से बढ़कर एनएफएचएस-6 में 80.4% हो गई है। मातृ स्वास्थ्य देखभाल संकेतकों में भी सकारात्मक बदलाव देखे गए हैं। कम से कम चार प्रसव पूर्व (एंटीनेटल) जांच कराने वाली माताओं की संख्या 59.7% से बढ़कर 72.0% हो गई है। अस्पतालों में होने वाले प्रसव (संस्थागत प्रसव) 94.3% से बढ़कर 96.1% हो गए हैं, और प्रसव के बाद पहले दो दिनों के भीतर बच्चों की देखभाल (प्रसवोत्तर देखभाल) 84.7% से बढ़कर 88.9% हो गई है। बच्चों के पोषण संबंधी परिणामों की बात करें तो, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में नाटापन (स्टंटिंग) की दर एनएफएचएस-5 के 24.5% से घटकर एनएफएचएस-6 में 20.4% रह गई है। इसी तरह, बचपन (5 वर्ष से कम) में मोटापे की दर 4.1% से घटकर 1.8% रह गई है। 19-35 महीने के बच्चों के लिए विटामिन-ए की खुराक 69.9% से बढ़कर 78.1% हो गई है, जो बेहतर पोषण, स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच और सामुदायिक जागरूकता को दर्शाती है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में भी सुधार आया है; बुखार या श्वसन संबंधी बीमारियों (एआरआई) से पीड़ित बच्चों (5 वर्ष से कम) को अस्पताल ले जाने की दर में लगभग 30% की वृद्धि हुई है (एनएफएचएस-5 में 57.3% से बढ़कर एनएफएचएस-6 में 86.9%)।

यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यदि एनएचएम जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रम को सही रणनीति के साथ लागू किया जाए, जमीनी स्तर पर संसाधनों का सही उपयोग किया जाए, पहलों पर प्रभावी ढंग से अमल किया जाए, जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए और नवजात शिशुओं के बुनियादी ढांचे में निरंतर निवेश किया जाए, तो बच्चों की जान बचाने के परिणामों में बड़ा सुधार लाया जा सकता है। इससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए निर्धारित एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने की गति को भी तेज किया जा सकता है।

पंजाब पुलिस ने बड़ी आतंकी साजिश को किया नाकाम आरडीएक्स आधारित आईईडी सहित दो काबू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान सीमा पार के आतंकवादी नेटवर्कों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), एसएएस नगर ने एक विदेशी आतंकवादी हैंडलर के दो सहयोगियों को लगभग 2.5 किलोग्राम वजनी आरडीएक्स आधारित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) सहित गिरफ्तार कर एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां साझा की। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गुज्जरपुरा निवासी मनी सिंह (32) तथा

अमृतसर के गिल्लवाली गेट निवासी अभिषेक कुमार (28) के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि बरामद की गई आईईडी विस्फोट के लिए पूरी तरह तैयार थी। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप एसएएस नगर में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की एक नापाक साजिश को विफल कर दिया गया है तथा आम लोगों की सुरक्षा के लिए उत्पन्न संभावित खतरे को टाल दिया गया है। डीजीपी ने कहा कि पूरे आतंकवादी नेटवर्क का पदार्फाश करने तथा साजिश में शामिल हैंडलरों, ऑपरेटिवों और उनके आगे-पीछे के संपर्कों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। ऑपरेशन संबंधी जानकारी साझा करते हुए पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी), काउंटर इंटेलिजेंस अशीष चौधरी ने बताया कि विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने दोनों संदिग्धों को, जो बस के माध्यम से विस्फोटक उपकरण सहित अमृतसर से मोहाली पहुंचे थे, वाईपीएस चौक मोहाली के सामने स्थित एक पार्क के निकट से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से आरडीएक्स से लैस आईईडी बरामद की। इस विस्फोटक से उत्पन्न गंभीर खतरे को देखते हुए बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर बुलाया गया, जिसने सभी निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आईईडी को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर नष्ट कर दिया। आईजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी मनी सिंह हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में आया था और उसने अपने रिश्तेदार अभिषेक कुमार की भी उससे पहचान करवाई थी। आईजीपी ने बताया कि बातचीत के दौरान विदेशी हैंडलर ने उन्हें कुछ कार्यों को अंजाम देने के बदले आर्थिक सहायता देने की पेशकश की। आर्थिक तंगी के कारण दोनों आरोपियों ने हैंडलर के लिए काम करने पर सहमति दे दी।

प्रदीप सिंगला ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से की मुलाकात

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम के पूर्व डायरैक्टर व जैतो नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप सिंगला ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निवास पर उनके साथ शिष्टाचार मुलाकात कर विभिन्न समसामयिक एवं राजनीतिक विषयों पर सार्थक चर्चा की। भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रदीप सिंगला ने मुलाकात के दौरान आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर संगठन की भावी रणनीति, भाजपा को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, युवाओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी बढ़ाने तथा प्रदेश के बदलते राजनीतिक परिदृश्य पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें संगठनात्मक मजबूती, जनसेवा और राष्ट्रहित के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। भाजपा नेता प्रदीप सिंगला ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देश प्रति और आम जनता की भलाई के लिए किए जा रहे कार्य को लेकर पंजाब का हर वर्ग खूश नजर आ रहा है और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार लाना चाहते हैं। पंजाब की जनता का कहना है कि उन्होंने सभी पार्टियों को सरकार चलाने का मौका दिया है। इस लिए अब 2027 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को सरकार बनाने का मौका दिया जाए।

गैंगस्टरां ते वार का 135वां दिन: पंजाब पुलिस ने 555 स्थानों पर छापेमारी की; 299 गिरफ्तार

चंडीगढ़। राज्य में चलाए जा रहे निर्णायक अभियान गैंगस्टरां ते वार के 135वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 555 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरां ते वार पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू की गई एक निर्णायक मुहिम है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं। अभियान के 135वें दिन पुलिस टीमों ने छह हथियारों सहित 299 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस मुहिम की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 33,917 हो गई है। इसके अलावा 69 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 16 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 5 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गोपनीय रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचनाएं भी साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशेयां विरुद्ध के 460वें दिन भी कार्रवाई जारी रखते हुए आज 100 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 1.6 किलोग्राम हेरोइन, 1110 नशीली गोलियां और 16,500 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही पिछले 460 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 66,687 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 12 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए भी प्रेरित किया।

पुलिस टीमों ने 69 के खिलाफ की एहतियातन कार्रवाई, 16 को पूछताछ के बाद रिहा किया

सांसद ढेसी ने ब्रिटेन में हत्या मामले के बाद सिखों को निशाना बनाने पर कट्टर दक्षिणपंथी पार्टियों की कड़ी आलोचना की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

विक्रम सिंह दिगवा द्वारा हेनरी नोवाक की हत्या किए जाने के मामले के बाद ब्रिटेन के सिख सांसदों ने निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में हुई बहस के दौरान सिखों की धार्मिक स्वतंत्रता तथा उनके धार्मिक ककारों की रक्षा के पक्ष में मजबूती से अपनी बात रखी। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई जब इस मामले को अनावश्यक रूप से तूल देते हुए कुछ कट्टर दक्षिणपंथी संगठनों ने सिखों द्वारा धारण किए जाने वाले धार्मिक ककार कृपाण पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठाई जबकि इस अपराध में वास्तव में कृपाण का प्रयोग हुआ ही नहीं था। हत्या में प्रयुक्त हथियार पेश-कब्ज था जो इंडो-फारसी शैली का एक घातक चाकू है जिसे सुरक्षा कवच को भेदने के उद्देश्य से बनाया जाता है।

उल्लेखनीय है कि यह बहस उस समय हुई जब 23 वर्षीय विक्रम दिगवा को 18 वर्षीय छात्र हेनरी नोवाक की चाकू मारकर हत्या करने का दोषी ठहराए जाने के बाद अदालत द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

लेबर पार्टी के सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी तथा अन्य सिख सांसदों ने इस बहस के दौरान हस्तक्षेप करते हुए रिफॉर्म यूके और रिस्टोर ब्रिटेन पार्टियों की सीधे तौर पर आलोचना की। ढेसी ने कहा कि ये दोनों पार्टियां एक हिंसक अपराधी की हरकत के आधार पर पूरे सिख जगत को बलि का बकरा बना रही हैं और बिना किसी आधार के दोषी ठहरा रही हैं।

ढेसी ने सदन को याद दिलाया कि दोनों विश्व युद्धों के दौरान लाखों सिख सैनिकों ने ब्रिटिश सेना के साथ मिलकर वीरता से युद्ध लड़े थे तथा वे अपनी पगड़ी और कृपाण धारण करके युद्धभूमि में उतरे थे। उन्होंने गृह मंत्री शबाना महमूद से सिखों को यह आश्वासन देने की अपील

की कि वे अपनी आस्था का स्वतंत्र और शांतिपूर्ण ढंग से पालन कर सकेंगे।

ढेसी ने कहा कि ऐसी गलत कार्रवाई को किसी भी प्रकार धार्मिक आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता और इस विचार से पूरा सिख जगत सहमत है।

हाउस ऑफ कॉमन्स को संबोधित करते हुए गृह मंत्री शबाना महमूद ने स्वीकार किया कि कुछ कट्टर दक्षिणपंथी समूहों ने सिखों द्वारा कृपाण धारण करने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने कृपाण को सिख धर्म के पाँच पवित्र ककारों में से एक बताया।

गृह मंत्री ने वर्ष 2019 के ऑफेंसिव वेपन्स एक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कानून ने लंबी कृपाण से संबंधित पहले से उपलब्ध कानूनी सुरक्षा को स्पष्ट और अधिक मजबूत बनाया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार किसी एक व्यक्ति के अपराध के लिए पूरे सिखों को दंडित करने के पक्ष में नहीं है।

गृह मंत्री ने कहा, हम इस देश में सामूहिक दंड की अवधारणा में बिल्कुल विश्वास नहीं रखते। इसके बजाय हम इस भयावह और दुष्टतापूर्ण घटना के विरुद्ध एकजुट हैं। हम इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले की निंदा करते हैं, न कि उन सभी लोगों की जो उसके धर्म या नस्ली पृष्ठभूमि से जुड़े हैं।

संक्षिप्त-समाचार

लुधियाना में प्रेशर कुकर फटने से घर की दीवार गिरी, मां-बेटे समेत 3 गंभीर घायल

लुधियाना। लुधियाना के जमालपुर इलाके में गुरुवार सुबह एक घर में प्रेशर कुकर फटने से घर की एक दीवार गिर गई और कमरे में आग लग गई। आग की चपेट में आने से टीवी, बेड और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया। हादसे के समय घर में मौजूद विनोद, उसकी पत्नी रीमा और 14 वर्षीय बेटा मलबे के नीचे दब गए और आग में झुलस गए। पुलिस के अनुसार यह हादसा जमालपुर के विचित्र नगर में सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। परिवार जिस कमरे में सोता था, उसी कमरे में रसोई भी बनी हुई थी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि रात के समय परिवार ने खाना बनाते हुए प्रेशर कुकर गैस पर रखा था। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की और तीनों घायलों को मलबे से बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने के कारण उन्हें पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया। फिलहाल विनोद और उसकी पत्नी रीमा की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि बेटा भी डॉक्टरों की निगरानी में उपचाराधीन है। पड़ोसी खुर्शीद आलम ने बताया कि सुबह अचानक तेज धमाके की आवाज सुनाई दी।

भारत-पाक सीमा से सटे पठानकोट क्षेत्र में पुलिस-बीएसएफ ने चलाया सर्च ऑपरेशन

चंडीगढ़। भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे पठानकोट के सीमावर्ती क्षेत्रों में गुरुवार को जिला पुलिस और बीएसएफ ने संयुक्त रूप से विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान सीमावर्ती दरियाओं के किनारों, जंगलों और अन्य सुनसान क्षेत्रों की बारीकी से जांच की गई। इसके अलावा कई लोगों से पूछताछ भी की गई और हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी गई। जिला पुलिस प्रमुख एसएसपी दलजिंदर सिंह ढिल्लों ने बताया यह नियमित सुरक्षा अभियान का हिस्सा है, जिसका मुख्य उद्देश्य कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और समाज विरोधी तत्वों पर अंकुश लगाना है। यह अभियान थाना नरोट जैमल सिंह के प्रभारी सब-इंस्पेक्टर कुलदीप राज के नेतृत्व में चलाया गया, जबकि डीएसपी ऑपरेशन गुरबख्श सिंह बाजवा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान सुरक्षा बलों ने सीमावर्ती गांवों में कई संदिग्ध ठिकानों की गहन तलाशी ली। डीएसपी गुरबख्श सिंह बाजवा ने बताया कि जिला पुलिस प्रमुख के निर्देशों के अनुसार लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर ऐसे सर्च ऑपरेशन चलाए जाते हैं।

नारायणा के छात्र अर्नव जैन ने जेईई एडवांस्ड 2026 में ऑल इंडिया रैंक 84 हासिल किया

चंडीगढ़। नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए जेईई एडवांस्ड 2026 में शानदार परिणाम हासिल किए हैं और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के कक्षा आधारित छात्र अर्नव जैन ने जेईई एडवांस्ड 2026 की ओपन कैटेगरी में ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 84 प्राप्त कर ट्राइसिटी क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अर्नव के पिता एक निजी संस्था में कार्यरत हैं। आईआईटी दिल्ली से कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग करने का लक्ष्य रखने वाले अर्नव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के अटूट सहयोग, शिक्षकों के समर्पण तथा नारायणा द्वारा प्रदान किए गए शैक्षणिक मार्गदर्शन को दिया। नारायणा ने ट्राइसिटी क्षेत्र (चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला) में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जहां सर्वश्रेष्ठ रैंक एआईआर 84 रही, जो क्षेत्र के प्रमुख परिणामों में से एक है। इसके अलावा, नारायणा ट्राइसिटी के 12 छात्रों ने ऑल इंडिया टॉप 1000 रैंकों में स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर नारायणा के वाईस प्रेसिडेंट राकेश यादव और डायरेक्टर आशीष मिश्रा ने सभी सफल छात्रों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर एआईआर 5 प्राप्त करना तथा ट्राइसिटी के 12 छात्रों का जेईई एडवांस्ड जैसी देश की सबसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक में टॉप 1000 रैंकों में शामिल होना हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

नेशनल ह्यूमन राइट्स, सोशल जस्टिस काउंसिल ने छबील का आयोजन किया

चंडीगढ़। नेशनल ह्यूमन राइट्स, सोशल जस्टिस काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आज सेक्टर-17, चंडीगढ़ में गर्मी के मौसम को देखते हुए श्रद्धापूर्वक छबील लगाई गई। इस अवसर पर राहगीरों और आम जनमानस को ठंडा एवं मीठा जल वितरित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के जनरल सेक्रेटरी जीशान-उल-हक, फाइनेंस सेक्रेटरी संजीव कपूर, स्टेट कोऑर्डिनेटर राकेश शर्मा, गुलशन वर्मा, स्टेट ज्वाइंट सेक्रेटरी रणदीप सिंह सहारन तथा मीडिया सेक्रेटरी अजय चौधरी सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि मानव सेवा और समाज कल्याण के कार्यों में सभी को बढ़-चढ़कर योगदान देना चाहिए। छबील सेवा के माध्यम से लोगों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ समाज में सेवा और भाईचारे का संदेश भी दिया गया।

पूर्व भारतीय जासूस जसविंदर राणा ने सुरक्षा मुहैया कराने की लगाई गुहार

चंडीगढ़। पाकिस्तान में देशहित में कई संवेदनशील खुफिया मिशनों को अंजाम दे चुके पूर्व भारतीय जासूस जसविंदर राणा ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए सरकार से तत्काल सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। उनका आरोप है कि उन्हें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े तत्वों की ओर से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जसविंदर राणा ने कहा कि देश की सेवा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने के बावजूद वह वर्ष 2005 से भारत में भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन बिताने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार सुरक्षा संबंधी खतरे झेलने पड़ रहे हैं तथा पाकिस्तान से कथित तौर पर धमकी भरे फोन भी प्राप्त होते रहे हैं। राणा के अनुसार, वर्ष 2005 में पाकिस्तान में एक अत्यंत संवेदनशील मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर भारत लौटने के बाद उनके खिलाफ खतरे और बढ़ गए। उस समय वह मुंबई में रह रहे थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से उन्हें मुंबई छोड़कर देश के विभिन्न हिस्सों में रहना पड़ा।

भगवंत मान सरकार पहले ही ठेका पर रखे कर्मचारियों को नियमित करने का फैसला कर चुकी है: चीमा

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने मुलाजिम यूनियनों से की मुलाकात; जायज मांगों पर जल्द कार्रवाई का दिया भरोसा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य सरकार के कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए किए जा रहे एक बड़े प्रयास के तहत पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां 6 कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने यूनियनों को भरोसा दिलाया कि भगवंत मान सरकार ठेका पर रखे कर्मचारियों को नियमित करने तथा आउटसोर्स कर्मचारियों को ठेका आधार पर लाने की प्रक्रिया पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। साथ ही उनकी अन्य सभी जायज मांगों को भी जल्द पूरा किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाई गई प्रमुख मांगों पर चर्चा करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, ह्लमुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्ववाली पंजाब सरकार पहले ही ठेका पर रखे कर्मचारियों को नियमित करने और आउटसोर्स कर्मचारियों को ठेका आधारित दर्जा देने के अपने फैसले की घोषणा कर चुकी है और इसे लागू करने की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। इस प्रक्रिया को और तेज करने के निर्देश देते हुए वित्त मंत्री ने संबंधित विभागों के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ परसोनल एवं वित्त विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस प्रक्रिया में तेजी लाएं और यह सुनिश्चित करें कि सभी जायज मांगों का जल्द से जल्द निपटारा किया जाए। उन्होंने कहा, ह्लसभी संबंधित विभागों को अपनी कार्यवाही में तेजी लानी चाहिए और कर्मचारियों की उचित मांगों को फास्ट-ट्रैक मोड में हल करना

चाहिए। कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष रूप से गठित कैबिनेट सब-कमेटी के अध्यक्ष के रूप में वित्त मंत्री ने ऑल पंजाब डी.एस.टी./सी.टी.एस. कॉन्ट्रैक्ट इंस्ट्रक्टर यूनियन, पंजाब राज्य सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल अध्यापक एवं अन्य कर्मचारी यूनियन, आदर्श स्कूल टीचिंग एवं नॉन-टीचिंग मुलाजिम यूनियन, ठेका मुलाजिम संघर्ष मोर्चा, पंजाब रोडवेज/पनबस पी.आर.टी.सी. कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन तथा पंजाब रोडवेज (पनबस) स्टेट ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

बैठकों के दौरान ऑल पंजाब डी.एस.टी./सी.टी.एस. कॉन्ट्रैक्ट इंस्ट्रक्टर यूनियन की ओर से किरणदीप सिंह रूपाणा, सिमरनजीत सिंह और स्वर्ण सिंह; पंजाब राज्य सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल अध्यापक एवं अन्य मुलाजिम यूनियन की ओर से गुरमीत सिंह मदनीपुर, शरणजीत सिंह कादीमाजरा और हरदीप सिंह ढींडसा; आदर्श स्कूल टीचिंग एवं नॉन-टीचिंग मुलाजिम यूनियन की ओर से जसवीर सिंह गलोटी, सुभदीप कौर, मीनू बाला और मनमोहन सिंह; ठेका मुलाजिम संघर्ष मोर्चा की ओर से वरिंदर सिंह मोमी, जगरूप सिंह, शेर सिंह खन्ना, गुरविंदर सिंह पन्नू और पवनदीप सिंह; पंजाब रोडवेज/पनबस पी.आर.टी.सी. कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन की ओर से रेशम सिंह, शमशेर सिंह, बलविंदर सिंह, बलजीत सिंह और राजेश कुमार; तथा पंजाब रोडवेज (पनबस) स्टेट ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन की ओर से हरमिंदर सिंह और लखविंदर सिंह ने अपनी-अपनी मांगें और पक्ष रखे।

बिहार के मुजफ्फरपुर में अस्पताल में लगी आग, चार की मौत, 20 से ज्यादा झुलसे

सुबह तड़के 3 बजे शॉर्ट सर्किट से भड़की आग, खिड़की-दरवाजे तोड़कर निकाले गए मरीज

❍ अस्पताल प्रबंधन पर उठे गंभीर सवाल

एजेंसी (हि.स.)
मुजफ्फरपुर

फोटो: हि.स.

बिहार में मुजफ्फरपुर शहर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र अन्तर्गत प्रसाद अस्पताल में गुरुवार तड़के 3 बजे आईसीयू में अचानक लगी आग से अबतक चार लोगों की मौत हो गई। 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश मिश्रा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगते ही अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के बीच चीख-पुकार मच गई। आईसीयू में मौजूद मरीजों को बाहर निकालने के लिए राहत एवं बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। देखते ही देखते धुआं पूरे अस्पताल में फैल गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की लगभग एक दर्जन गाड़ियां पहुंचीं। अग्निशमन कर्मियों ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और अस्पताल के विभिन्न वार्डों में फंसे मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया। कई मरीजों को खिड़कियों और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें आसपास के सुरक्षित अस्पतालों में भर्ती कराया गया। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सुबह करीब तीन बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई । टीम अस्पताल पहुंची तो आईसीयू वार्ड धुएं से भरा हुआ था। बचाव अभियान के दौरान कई मरीजों को गंभीर स्थिति में बाहर निकाला गया। अधिकारियों का कहना है कि राहत कार्य के दौरान 20 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया। कई मरीजों की हालत चिंताजनक है।

शुरूआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। प्रशासन ने अस्पताल परिसर को घेरे में लेकर साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अग्निशमन अधिकारियों ने भी संकेत दिया है कि जब उनकी टीम मौके पर पहुंची तो अस्पताल का अधिकांश स्टाफ वहां मौजूद नहीं था। इस तथ्य ने अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान के साथ युद्ध अधिकार पर रोक लगाई

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

फोटो: हि.स.

अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन 'प्रतिनिधि सभा' (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव) ने बुधवार को 215-208 वोटों से एक समवर्ती प्रस्ताव पारित करके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ युद्ध करने के अधिकारों पर रोक लगा दी। महत्वपूर्ण यह है कि डेमोक्रेट्स के इस प्रस्ताव का चार रिपब्लिकन ओहियो के प्रतिनिधि वॉरेन डेविडसन, पेंसिल्वेनिया के ब्रायन फिट्जपैट्रिक, मिशिगन के टॉम बैरेट और केंटकी के थॉमस मैसी ने समर्थन किया।

एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान या उसकी सेना या सरकार के किसी भी हिस्से के खिलाफ शत्रुतापूर्ण कार्रवाई में अमेरिकी सशस्त्र बलों का इस्तेमाल तब तक बंद कर देना चाहिए, जब तक कि युद्ध की घोषणा या बल प्रयोग का अधिकार देने वाला कानून पारित न हो जाए। प्रतिनिधि सभा से पारित यह प्रस्ताव अब सीनेट में जाएगा। सीनेट भले ही इसका समर्थन कर दे, लेकिन एक समवर्ती प्रस्ताव में कानून जितना वजन नहीं होता और इसे राष्ट्रपति के सामने पेश नहीं किया जाता, न ही इस पर राष्ट्रपति के वीटो का अधिकार लागू होता है।

मतदान के बाद हाउस की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट ग्रेगरी मीक्स ने पत्रकारों से कहा, कांग्रेस ने आज संविधान का पालन किया है। डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन दोनों ने कहा कि अब बहुत हो चुका। अब इस युद्ध को खत्म करने का समय आ गया है। अब राष्ट्रपति को अमेरिकी लोगों को यह बताने का समय आ गया है कि हम इस युद्ध में क्यों शामिल हुए।

युद्ध शुरू होने के बाद से यह चौथी बार है जब हाउस में डेमोक्रेट्स के नेतृत्व वाले ईरान युद्ध अधिकार प्रस्ताव पर मतदान हुआ। वोटिंग से पहले स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा, मुझे लगता है कि इस समय प्रशासन और कमांडर-इन-चीफ से बातचीत करने का अधिकार छीन लेना एक बहुत ही खतरनाक कदम होगा। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि यह प्रस्ताव छह रिपब्लिकन सदस्यों की अनुपस्थिति के कारण पारित हुआ है। इस अधिकारी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप कमांडर-इन-चीफ के तौर पर अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना जारी रखेंगे, और साथ ही कांग्रेस के प्रति पूरी तरह पारदर्शी भी रहेंगे।

म्यांमार से सुपारी तस्करी नेटवर्क पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, मिजोरम में नौ ठिकानों पर छापे

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मिजोरम-म्यांमार सीमा पर म्यांमार की सूखी सुपारी (अरेका नट) की तस्करी से जुड़े संगठित नेटवर्क के खिलाफ गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मिजोरम के सीमावर्ती शहर चंपाई में नौ स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई का केंद्र तस्करी नेटवर्क से जुड़े प्रमुख स्थानीय सहयोगियों के आवास और व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं।

ईडी ने बताया कि जांच में सामने आया कि आरोपी म्यांमार से तियाउ नदी के रास्ते बड़ी मात्रा में अवैध सुपारी भारत लाते थे। इसके बाद माल को स्थानीय गोदामों में रखा जाता था और फर्जी ई-वे बिल तथा जाली दस्तावेजों के जरिए उसे स्थानीय स्तर पर खरीदा गया वैध माल बताकर बाजार में खपाया जाता था। जांच एजेंसी के अनुसार, इस अवैध कारोबार के जरिए सैकड़ों करोड़ रुपये का धन उत्पन्न किया गया और उसे विभिन्न माध्यमों से छिपाने तथा वैध दिखाने का प्रयास किया गया।

एजेंसी की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपितों ने सीमा क्षेत्र में अपनी जनजातीय पहचान का लाभ उठाते हुए सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष 'फ्रंट क्लेमेंट' के रूप में भूमिका निभाई। वे जब्त की गई तस्करी की खेप को छुड़ाने के लिए पुराने और असंबंधित आयात दस्तावेजों का इस्तेमाल करते थे तथा माल पर वैध स्वामित्व का दावा करते थे।

कांगो, इथियोपिया, युगांडा से छत्तीसगढ़ पहुंचे 3 लोगों में 'इबोला' वायरस की पुष्टि नहीं

दुर्ग (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में इबोला वायरस का एक भी मामला पुष्ट नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अफ्रीकी देशों में फैले 'बुंडिबुग्यो स्ट्रेन' को लेकर जारी वैश्विक अलर्ट के बाद राज्य का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह हाई अलर्ट मोड पर काम कर रहा है। हाल ही में राज्य के दुर्ग जिले में कांगो और युगांडा से लौटे तीन यात्रियों में इबोला का कोई सक्रिय या गंभीर लक्षण नहीं पाया गया है। दुर्ग जिला के कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज पुष्टि की है कि दुर्ग जिले में कांगो और युगांडा से तीन नागरिक लौटे हैं, वे केवल 'संभावित संदिग्ध' हैं। वे स्वास्थ्य विभाग की सक्रिय निगरानी में हैं। एहतियातन उन्हें 21 दिनों के अनिवार्य होम-आइसोलेशन में रखा गया है। राहत की बात यह है कि उन तीनों में इबोला का कोई सक्रिय या गंभीर लक्षण नहीं पाया गया है और उनकी स्थिति पूरी तरह स्थिर बनी हुई है। आईडीएसपी (इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम) से सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग को संबंधित लोगों की पहचान कर उन्हें होम आइसोलेशन में रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने परमाणु सामग्री उत्पादन सुविधा केंद्र का दौरा किया

एजेंसी (हि.स.)
प्योंगयांग/सियोल

उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन ने हाल ही में शुरू की गई एक परमाणु सामग्री उत्पादन सुविधा केंद्र का दौरा किया है। उन्होंने इस अवसर पर देश के परमाणु हथियारों के भंडार को तेजी से मजबूत करने का संकल्प लिया है। किम के साथ पार्टी के प्रमुख अधिकारी भी थे। यह जानकारी गुरुवार को सरकारी मीडिया कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने दी। केसीएनए ने इस स्थान का खुलासा नहीं किया है।

दक्षिण कोरिया के अखबार 'द कोरिया टाइम्स' ने अपनी रिपोर्ट में केसीएनए और दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय के हवाले से इस घटनाक्रम की चर्चा की है। सियोल में रक्षा मंत्रालय के संवाददाता सम्मेलन में कहा गया है कि यह सुविधा केंद्र यूरेनियम संवर्धन स्थल हो सकता है। इस समय उत्तर कोरिया के योंगब्योन, कांगसोन और कुसोंग में यूरेनियम संवर्धन सुविधा केंद्र हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह साफ नहीं है कि किम ने क्या किसी चौथे सुविधा केंद्र का दौरा किया।

किम ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उत्तर कोरिया की परमाणु सामग्री उत्पादन क्षमता दोगुनी से भी अधिक हो गई है। यह संभावित खतरे और अप्रत्याशित दीर्घकालिक संकट के समय के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने संकेत दिया कि प्योंगयांग का अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा से पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि नया केंद्र देश की परमाणु क्षमता को तेजी से उन्नत करने की दिशा में मील का पत्थर हुआ है। उल्लेखनीय है कि सितंबर 2024 में उत्तर कोरिया ने पहली बार अपनी यूरेनियम संवर्धन सुविधा का खुलासा किया था।

एमसीएचएसी के कार्यकारी सदस्यों के वेतन में 30 प्रतिशत कटौती

कोकराझाड़ (असम)। बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) सरकार ने खर्चों में कटौती के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए एमसीएलए और कार्यकारी सदस्यों के वेतन में 30 प्रतिशत कटौती करने का फैसला किया है। यह निर्णय कार्यकारी परिषद की बैठक में लिया गया। परिषद ने आगामी छह माह तक इस कटौती को लागू रखने का निर्देश जारी किया है। बीटीसी प्रमुख हग्रामा महिलारी ने बीती रात बैठक के बाद बताया कि मध्य-पूर्व में युद्ध जैसे हालात और उससे उत्पन्न वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि वित्तीय अनुशासन बनाए रखने तथा सरकारी खर्चों में कमी लाने के लिए यह अस्थायी व्यवस्था लागू की गई है। परिषद का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। बीटीसी प्रशासन ने इसे आपातकालीन व्यय-संकोचन उपाय बताते हुए कहा है कि छह माह बाद स्थिति की समीक्षा कर आगे का निर्णय लिया जाएगा।

नीट छात्रा आकांक्षा की आत्महत्या को राहुल गांधी ने बताया विफल व्यवस्था का परिणाम

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटो: हि.स.

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश की नीट छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी की आत्महत्या को भ्रष्ट और विफल व्यवस्था का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा पिछले वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा है और इसकी कीमत देश के युवा चुका रहे हैं।

राहुल गांधी ने गुरुवार को एक्स पर कहा कि आकांक्षा डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करना चाहती थी। उसके पिता किसान हैं, जिन्होंने बेटी की पढ़ाई के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर तीन लाख रुपये का कर्ज लिया और नागपुर में रसोइए का काम किया ताकि वह मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर सके। परिवार ने अपनी ओर से हर संभव प्रयास किया, लेकिन नीट प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच आकांक्षा ने अपनी जान दे दी। उन्होंने केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि मामले में अब तक केवल समितियां और जांच की घोषणाएं हुई हैं, लेकिन न तो व्यवस्था में सुधार हुआ और न ही दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया गया। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले की रहने वाली 18 वर्षीय आकांक्षा चतुर्वेदी नागपुर में रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही थी। 20 मई को आकांक्षा ने आत्महत्या कर ली। कुछ दिन बाद परिवार को उसका हस्तलिखित पत्र मिला, जिसमें उसने अपने माता-पिता से माफी मांगी थी।

'कल हो ना हो' को लेकर निखिल की राय ने छेड़ी बहस

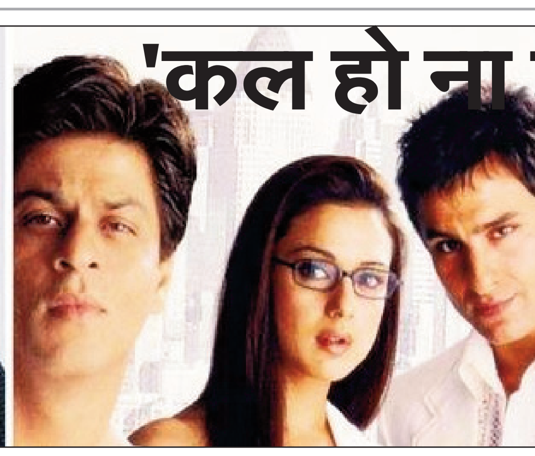

निर्देशक निखिल आडवाणी ने अपनी चर्चित फिल्म 'कल हो ना हो' को लेकर दिलचस्प टिप्पणी की है। उनका मानना है कि 2003 में रिलीज हुई यह फिल्म आज भी दर्शकों के दिलों के करीब है, लेकिन बदलते समय और संवेदनशीलताओं को देखते हुए इसके कुछ हिस्सों को नए दौर के अनुरूप ढालने की जरूरत है। निखिल के अनुसार, फिल्म में मौजूद कुछ हास्य दृश्य, विशेष रूप से कांताबेन से जुड़े मजाक, आज के दर्शकों के नजरिए से उतने प्रासंगिक नहीं लगते।

एक बातचीत के दौरान निखिल ने कहा कि यदि 'कल हो ना हो' का रीमेक बनाया जाए तो कहानी को नए अंदाज में पेश किया जा सकता है। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि शायद इस बार अमन और रोहित के रिश्ते को एक रोमांटिक एंगल के साथ भी दिखाया जा सकता है। हालांकि यह टिप्पणी हल्के-फुल्के अंदाज में की गई, लेकिन इससे फिल्म के पात्रों के बीच की गहरी दोस्ती को लेकर उनकी सोच जरूर सामने आई। निखिल आडवाणी का मानना है कि फिल्म की असली ताकत अमन और रोहित के रिश्ते में थी।

उन्होंने कहा कि उनके लिए फिल्म उस भावनात्मक पल पर पूरी हो जाती है, जब दोनों एक-दूसरे से वादा करते हैं। निर्देशक ने यह भी बताया कि आज के दर्शक फिल्म को अलग नजरिए से देखते हैं और अक्सर यह सवाल उठाते हैं कि कहानी के सबसे महत्वपूर्ण संवादों में नैना की मौजूदगी क्यों नहीं थी। निखिल के मुताबिक, यही बदलती सोच और नए सवाल बताते हैं कि क्लासिक फिल्मों को समय-समय पर नए संदर्भों में समझने और प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है।

फिल्म निमार्ता एवं पूर्व सीबीएफसी अध्यक्ष पहलाज निहलानी का निधन

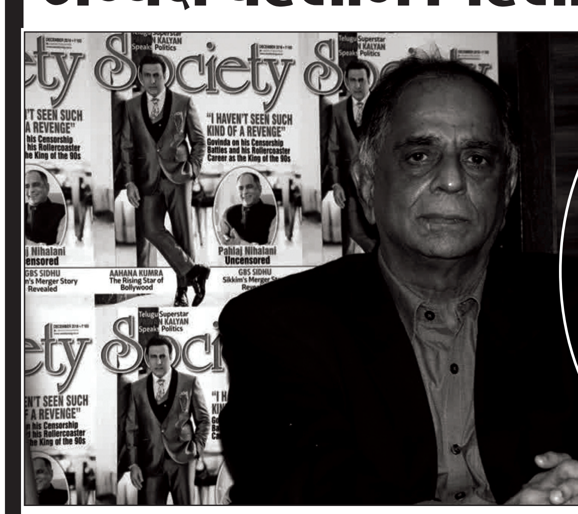

76
वर्ष की आयु में निधन, पिछले कुछ समय से लीवर संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे

हिंदी फिल्म उद्योग के वरिष्ठ निमार्ता और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी का गुरुवार को 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से लीवर संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। परिजनों और करीबी सूत्रों के अनुसार, तबीयत बिगड़ने पर उन्हें बुधवार रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां गुरुवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर तीन बजे मुंबई के सांताक्रूज स्थित श्मशान घाट में किया जाएगा। पहलाज निहलानी हिंदी फिल्म उद्योग की एक चर्चित और प्रभावशाली हस्ती रहे। उन्होंने निमार्ता के रूप में कई सफल फिल्मों का निर्माण किया, जिनमें 'आंखें', 'अंदाज', 'तलाश', 'रंगीला राजा' और 'जूली 2' प्रमुख हैं। व्यावसायिक सिनेमा के क्षेत्र में उनका योगदान चार दशकों से अधिक समय तक फैला रहा।

गोविंदा को दिया था पहला अवसर

निहलानी ने 1980 के दशक की शुरुआत में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा। उनकी पहली फिल्म 'हथकड़ी' 1982 में प्रदर्शित हुई थी। इसके बाद उन्होंने 'आंधी-तूफान' (1985) और 'इल्जाम' (1986) जैसी फिल्मों का निर्माण किया। 'इल्जाम' फिल्म से अभिनेता गोविंदा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

सीबीएफसी अध्यक्ष के रूप में भी रहे चर्चा में

पहलाज निहलानी ने वर्ष 2015 से 2017 तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष का दायित्व संभाला। उनके कार्यकाल के दौरान फिल्म प्रमाणन और सेंसरशिप से जुड़े कई फैसले राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बने। इसी वजह से वह हाल के वर्षों में सीबीएफसी के सबसे चर्चित अध्यक्षों में गिने जाते रहे। उनके निधन से हिंदी फिल्म उद्योग में शोक की लहर है। फिल्म जगत से जुड़े कई कलाकारों, निमार्ताओं और निर्देशकों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

'पेद्दी' की सफलता के लिए तिरुमाला पहुंचीं जाह्नवी कपूर

राम चरण और जाह्नवी कपूर अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेद्दी' 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म की रिलीज के बीच जाह्नवी कपूर आंध्र प्रदेश स्थित प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद लेने पहुंचीं। अभिनेत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें नंगे पैर मंदिर की सीढ़ियां चढ़ते हुए देखा जा सकता है। माना जा रहा है कि जाह्नवी फिल्म की सफलता और दर्शकों के प्यार की कामना लेकर मंदिर पहुंची थीं। मंदिर दर्शन के दौरान जाह्नवी पारंपरिक अंदाज में नजर आईं। उन्होंने बैंगनी रंग की खूबसूरत कांजीवरम साड़ी पहनी थी, जिसके साथ भारी पारंपरिक आभूषण उनके लुक को और आकर्षक बना रहे थे। वीडियो में अभिनेत्री मंदिर परिसर के बाहर श्रद्धालुओं के बीच शांत और सादगीपूर्ण अंदाज में दिखाई दे रही हैं। फैंस भी उनके इस आध्यात्मिक रूप की जमकर सराहना कर रहे हैं। गौरतलब है कि जाह्नवी कपूर का तिरुमाला मंदिर से खास जुड़ाव रहा है। वह अक्सर अपने जन्मदिन और करियर के महत्वपूर्ण मौकों पर यहां दर्शन के लिए पहुंचती हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी 'पेद्दी' एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसमें राम चरण और जाह्नवी कपूर के अलावा दिव्येंदु शर्मा, शिवा राजकुमार और बोमन ईरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। 'देवरा' के बाद यह साउथ सिनेमा में जाह्नवी की दूसरी बड़ी फिल्म है, जिसे लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

अल्लू अर्जुन और लोकेश कनगराज की फिल्म पर संकट के संकेत

अल्लू अर्जुन और निर्देशक लोकेश कनगराज की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'AA23' को लेकर पिछले कुछ दिनों से तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल होने के बाद दावा किया गया कि बजट संबंधी समस्याओं के कारण इस पैन-इंडिया प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया है। हालांकि, अब फिल्म के लेखक रत्ना कुमार की एक नई पोस्ट ने इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है और संकेत दिया है कि फिल्म अब भी योजना के अनुसार आगे बढ़ रही है।

दरअसल, कमल हासन अभिनीत फिल्म 'विक्रम' के चार साल पूरे होने के मौके पर रत्ना कुमार ने सोशल मीडिया पर निर्देशक लोकेश कनगराज को बधाई दी। उन्होंने लिखा कि 'विक्रम' की दुनिया में प्रवेश करने से पहले दर्शकों को 'कैथी' दोबारा देखनी चाहिए और इस सफर का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। इसी पोस्ट में उन्होंने 'AA23' का जिक्र करते हुए लिखा कि वह इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनकी इस टिप्पणी को फिल्म के जारी रहने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। रत्ना कुमार लंबे समय से लोकेश कनगराज के करीबी सहयोगी रहे हैं और 'कैथी', 'विक्रम' तथा 'लियो' जैसी फिल्मों के लेखन से जुड़े रहे हैं। अब वह 'AA23' में भी बतौर लेखक काम कर रहे हैं। ऐसे में उनकी पोस्ट ने फिल्म के बंद होने की चर्चाओं को काफी हद तक खारिज कर दिया है। वहीं, अल्लू अर्जुन फिलहाल निर्देशक एटली की फिल्म 'राका' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। फैंस को उम्मीद है कि 'AA23' को लेकर जल्द ही आधिकारिक अपडेट सामने आएगा।

सैफ महिला चैंपियनशिप: भारत ने भूटान को हराकर फाइनल में बनाई जगह

अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश से होगा

पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम साल 2019 के बाद पहली बार इस खिताब को दोबारा जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
मडगांव (गोवा)

पांच बार की चैम्पियन भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने सैफ महिला चैम्पियनशिप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में बुधवार रात भूटान को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना मौजूदा चैम्पियन बांग्लादेश से शनिवार को पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा।

ग्रुप चरण में दो मैचों में 14 गोल करने वाली भारतीय टीम से एकतरफा प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन भूटान ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए मुकाबले को कड़ा बनाए रखा। लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची भूटान की टीम ने भारतीय आक्रमण को लंबे समय तक रोके रखा। फीफा रैंकिंग में 69वें स्थान पर मौजूद भारत ने अधिकांश समय गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में गोल नहीं कर सका। करिश्मा, सौम्या गुगुलोथ और अवेका सिंह ने मौके बनाए, लेकिन खराब फिनिशिंग और भूटान की गोलकीपर के शानदार प्रदर्शन के कारण मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा। भूटान ने भी जवाबी आक्रमण में कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदल सकी।

दूसरे हाफ में लगातार दबाव का फायदा भारत को 60वें मिनट में मिला, जब सनफिदा नोंगरम ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। यही गोल अंत में निर्णायक साबित हुआ। इसके बाद मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने मनीषा कल्याण और प्यारी जाक्सा जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा, लेकिन भारत बढ़त नहीं बढ़ा सका। दूसरी ओर भूटान ने अंत तक संघर्ष जारी रखा और भारतीय रक्षा पंक्ति को चुनौती देती रही। हालांकि, अतिरिक्त समय तक मुकाबला लेजाने के लिए जरूरी गोल भूटान नहीं कर सकी और भारत ने 1-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

भारत अब 2019 के बाद पहली बार सैफ महिला चैम्पियनशिप का खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर है। इससे पहले पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश ने नेपाल को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी बार फाइनल में प्रवेश किया। बांग्लादेश ने 2022 और 2024 संस्करण भी अपने नाम किए थे।

कुसल मेंडिस की कप्तानी में श्रीलंका की शानदार शुरूआत

पहले वनडे में वेस्टइंडीज को 41 रन से हराया

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
किंग्सटन

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के पहले एकदिवसीय मुकाबले में बुधवार देर रात दमदार प्रदर्शन करते हुए 41 रन से जीत दर्ज की। कप्तानी में वापसी कर रहे कुसल मेंडिस ने शानदार अर्धशतक जड़ा, जबकि गेंदबाजों ने लक्ष्य का सफल बचाव करते हुए टीम को जीत दिलाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत थोड़ी सतर्क रही, हालांकि पथुम निसांका को शुरुआती जीवनदान मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। दूसरे छोर पर कुसल मेंडिस ने शुरुआत में समय लिया, लेकिन फिर तेजी से रन बनाते हुए पारी को गति दी।

कुसल ने विशेष रूप से स्पिनर गुडाकेश मोती पर हमला बोला और लगातार बड़े शॉट लगाए। उन्होंने 62 गेंदों पर 72 रन की तेज पारी खेली। कुसल और निसांका के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी ने श्रीलंका को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। निसांका ने 79 रन बनाए जबकि मध्यक्रम में चरिथ असलंका ने 45 और जनिथ लियानागे ने नाबाद 44 रन जोड़कर टीम को 50 ओवर में 303/7 तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने तेज शुरुआत की। जॉन कैंपबेल और जस्टिन ग्रीव्स ने शुरुआती ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी की, लेकिन रन आउट ने टीम की लय तोड़ दी। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाया। महीश तीक्षणा ने ग्रीव्स को आउट कर वापसी कराई, जबकि वानिंदु हसरंगा ने अहम विकेट लेकर मध्यक्रम को झटका दिया। कप्तान शाई होप ने संघर्ष करते हुए 56 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का पर्याप्त साथ नहीं मिला। अंत में दुष्मंथा चमीरा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके और वेस्टइंडीज की पूरी टीम 49.2 ओवर में 262 रन पर सिमट गई।

संक्षिप्त स्कोर

श्रीलंका -303/7 (50 ओवर) पथुम निसांका 79, कुसल मेंडिस 72; मैथ्यू फोर्ड 2/44
वेस्टइंडीज -262 (49.2 ओवर) शाई होप 56; दुष्मंथा चमीरा 4/67, महीश तीक्षणा 2/26
परिणाम: श्रीलंका 41 रन से विजयी।

लगातार तीसरे दिन सपाट स्तर पर सर्राफा बाजार सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन वीरवार को सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना वीरवार को भी 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना भी वीरवार को बुधवार के भाव पर ही यानी 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में वीरवार को भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में वीरवार को 24 कैरेट सोना 1,56,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना वीरवार को 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में निचले स्तर से रिकवरी का रुख

हरे निशान में पहुंचे सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में वीरवार को शुरुआती कारोबार के दौरान निचले स्तर से रिकवरी होती हुई नजर आ रही है। वीरवार को के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव पड़ने पर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की कमजोरी और बढ़ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इन दोनों सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

वीरवार को 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अदानी एंटरप्राइजेज, एटरनल, टाइटन कंपनी, टेक महिंद्रा और अदानी पोर्ट्स के शेयर 1.53 प्रतिशत से लेकर 0.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, ट्रेंट लिमिटेड, टीएमपीवी, आयशर मोटर्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयर 2.38 प्रतिशत से लेकर 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ तापमान करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,688 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,696 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 992 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 14 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स 410.34 अंक की गिरावट के साथ 73,935.83 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव पड़ने पर यह सूचकांक फिसल कर 73,807.30 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार हो रही खरीदबिक्री के बीच सुबह 10 तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 8.17 अंक की मामूली मजबूती के साथ 74,354.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने वीरवार को 123.15 अंक टूट कर 23,282.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही यह सूचकांक लुढ़क कर 23,247.30 अंक के स्तर तक चला गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 2.75 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 23,408.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला से बाहर हुए विराट कोहली

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। यह श्रृंखला 13 जून से धर्मशाला में शुरू होगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि चोट के चलते कोहली चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। अपनी उत्कृष्ट फिटनेस के लिए प्रसिद्ध 37 वर्षीय कोहली का चोट के कारण किसी अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर होना बेहद कम देखने को मिलता है।

कोहली ने हाल ही में संपन्न इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन किया था। उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल मुकाबले में कोहली ने नाबाद अर्धशतक जड़ते हुए टीम को जीत दिलाई थी। पूरे सत्र में उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतकों की मदद से 675 रन बनाए और आरसीबी की सफलता में अहम भूमिका निभाई। कोहली की अनुपस्थिति से अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला की आकर्षण शक्ति भी प्रभावित होगी। टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद कोहली अब केवल वनडे प्रारूप में ही भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और अब भी विश्व क्रिकेट के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में शामिल हैं। इस बीच कप्तान रोहित शर्मा की उपलब्धता पर भी नजर बनी हुई है। आईपीएल के दौरान रोहित भी हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझे थे और कुछ मैचों में नहीं खेल सके थे। उन्हें फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बना दबाव

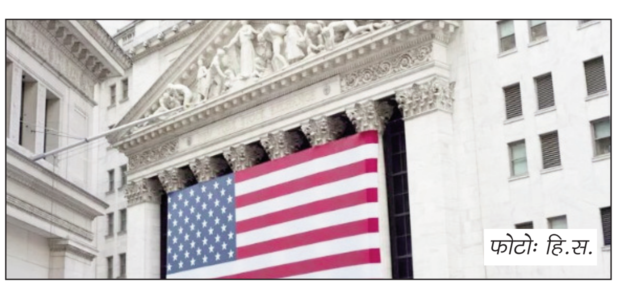
फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका के कारण ग्लोबल मार्केट से वीरवार को कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स वीरवार को मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं, एशियाई बाजार में भी वीरवार को आमतौर पर कमजोरी का रुख बना हुआ है।

पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव और फाइनेंशियल तथा टेक स्टॉक्स में हुई जोरदार बिकवाली के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 620.72 अंक यानी 1.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 50,687.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,553.68 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डैक 239.93 अंक यानी 0.89 प्रतिशत टूट कर 26,853.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स वीरवार को फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 50,728.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,332.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,150.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 328.23 अंक यानी 1.32 प्रतिशत लुढ़क कर 24,795.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी वीरवार को आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,597.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,318 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत टूट कर 4,066.56 अंक के स्तर तक गिर गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में वीरवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 214.35 अंक यानी 3.61 प्रतिशत फिसल कर 5,726.72 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 410.21 अंक यानी 1.60 प्रतिशत लुढ़क कर 25,223 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 1,042.13 अंक यानी 1.52 प्रतिशत टूट कर 67,360 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। वहीं स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,071.61 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 473.42 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 45,985.74 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.57 प्रतिशत टूट कर 8,751.76 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ वाह केमिकल्स का आईपीओ

आठ जून तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले केमिकल का उत्पादन करने वाली कंपनी वाह केमिकल्स का 13.45 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में आठ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद नौ जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 10 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 11 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22.42 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 1.14 लाख शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.46 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.46 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.08 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए मारवाड़ी चंद्रागाण इंटरमीडियरीज ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। वाह केमिकल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 2.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 5.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 23.75 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 43.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में मामूली बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी पर 11.25 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 11.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस दौरान कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में ये 6.87 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2025-26 में बढ़ कर 14.92 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में ये 1.50 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2025-26 में बढ़ कर 8.85 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेस, डिप्रिशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2024-25 में 4.68 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2025-26 में बढ़ कर 8.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

पंत को शॉट चयन में संयम बरतकर ऑफ साइड में अधिक खेलना चाहिए : देवेंद्र शर्मा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के बचपन के कोच देवेंद्र शर्मा का मानना है कि पंत को अपनी बल्लेबाजी में अधिक अनुशासन दिखाते हुए आड़े शॉट खेलने से बचना चाहिए और ऑफ साइड में ज्यादा रन बनाने पर ध्यान देना चाहिए। आईपीएल के लगातार दूसरे निराशाजनक सत्र के बाद पंत ने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी छोड़ दी है। हाल ही में उन्हें भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान पद से भी हटाया गया था। फिलहाल वह केवल टेस्ट प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

देवेंद्र शर्मा ने कहा कि पंत इस समय जरूरत से ज्यादा प्रयास करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका असर उनके खेल पर दिखाई दे रहा है। उनके अनुसार बल्लेबाज जब खराब दौर से गुजर रहा हो तो उसे बुनियादी तकनीक पर लौटना चाहिए और सीधे शॉट खेलने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि पिछली बातचीत में भी उन्होंने पंत को फॉर्म में वापसी के लिए सीधे बल्ले से खेलने की सलाह दी थी। शर्मा का मानना है कि इससे उन्हें लगातार रन बनाने में मदद मिलेगी और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। पंत अब शनिवार से मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। इस मुकाबले से उनके प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी। शर्मा ने कहा कि टेस्ट और टी20 क्रिकेट की मांग अलग-अलग होती है, इसलिए पंत को अपनी रणनीति भी उसी के अनुरूप बनानी होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि पिछली टेस्ट श्रृंखला की तरह पंत एक बार फिर मैच जिताने वाली पारी खेल सकते हैं। कोच ने कहा कि पंत को नियंत्रित आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी करनी चाहिए और ऑन साइड की अपेक्षा ऑफ साइड में अधिक शॉट खेलने का प्रयास करना चाहिए।

फ्रेंच ओपन

कोबोली लाइव एटीपी रैंकिंग में 14वें स्थान से उछलकर 10वें स्थान पर पहुंच गए

कोबोली का कमाल, पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे

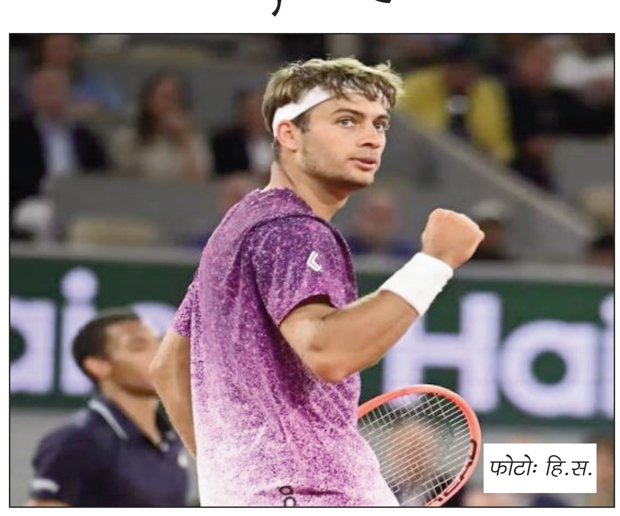
फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
पेरिस

इटली के युवा टेनिस खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली ने फ्रेंच ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल हासिल कर लिया। रोलां गैरो में खेले गए पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के चौथी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे को चार सेटों में 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। 24 वर्षीय कोबोली ने पहला सेट गंवाने के बाद दमदार वापसी की और लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

यह उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा ग्रैंड स्लैम परिणाम है। जीत के बाद उन्होंने कहा कि यह सप्ताह उनके जीवन का सबसे यादगार सप्ताह बन गया है। मुकाबले की शुरुआत में तेज हवा के कारण दोनों खिलाड़ियों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। पहला सेट हारने के बाद कोर्ट की छत बंद किए जाने के साथ ही कोबोली की लय लौट आई। उन्होंने आक्रामक फोरहैंड और बेहतरीन फुटवर्क के दम पर मैच का रुख पलट दिया।

इस जीत के साथ कोबोली ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में शीर्ष-10 रैंकिंग वाले खिलाड़ी को हराने का कारनामा भी किया। लाइव एटीपी रैंकिंग में वह 14वें स्थान से उछलकर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

सेमीफाइनल में उनका मुकाबला अब इटली के ही मैटियो बेरेटिनी और मैटियो अर्नाल्डी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल विजेता से होगा। इससे यह तय हो गया है कि पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में एक इटालियन खिलाड़ी जरूर पहुंचेगा।

कोबोली की इस उपलब्धि ने इटली के टेनिस इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। यह तीसरा अवसर है जब किसी ग्रैंड स्लैम के पुरुष वर्ग में दो इटालियन खिलाड़ी सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं। साथ ही, पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में पूरी तरह इटालियन पुरुष सेमीफाइनल सुनिश्चित हुआ है।

उल्लेखनीय है कि फ्रेंच ओपन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले आखिरी इटालियन खिलाड़ी एड्रियानो पनाटा थे, जिन्होंने 1976 में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब कोबोली के पास लगभग पांच दशक बाद इटली को फिर से रोलां गैरो का चैंपियन बनाने का अवसर है।

चोटिल बेरेटिनी के हटने से अर्नाल्डी पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेलना सुनिश्चित कर लिया। बुधवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल में उन्हें हमवतन मातेओ बेरेटिनी के चोट के कारण मुकाबले से हटने का फायदा मिला। मुकाबले के समय अर्नाल्डी 7-5, 5-2 से आगे चल रहे थे, तभी बेरेटिनी ने चोट के चलते मैच छोड़ने का फैसला किया। दूसरे सेट के शुरुआती खेलों के दौरान उन्हें कूल्हे में परेशानी महसूस हुई और उन्होंने चिकित्सकीय सहायता भी ली। इसके बाद विश्राम के दौरान अपने सहयोगी दल की सलाह पर उन्होंने मुकाबले से नाम वापस ले लिया। विश्व रैंकिंग में 104वें स्थान पर मौजूद अर्नाल्डी ने इस टूर्नामेंट में शानदार संघर्ष दिखाया है। क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने के दौरान उन्होंने कोर्ट पर कुल 17 घंटे 42 मिनट बिताए। अब सेमीफाइनल में उनका सामना एक और इटालवी खिलाड़ी फ्लावियो कोबोली से होगा। इससे यह तय हो गया है कि रविवार को होने वाले पुरुष एकल फाइनल में एक इटालवी खिलाड़ी जरूर पहुंचेगा। विश्व नंबर एक और पिछले वर्ष के उपविजेता यानिक सिनर के शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद इटली के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। मैच के बाद अर्नाल्डी ने कहा, यह मुश्किल स्थिति है। हम दोनों ने काफी लंबे मुकाबले खेले थे, इसलिए सर्वश्रेष्ठ स्तर पर खेलना आसान नहीं था। लेकिन कोई भी नहीं चाहता कि किसी खिलाड़ी का टूर्नामेंट इस तरह खत्म हो। उन्होंने आगे कहा, इटली में टेनिस लगातार आगे बढ़ रहा है। मुझे उम्मीद है कि बेरेटिनी जल्दी फिट होकर वापसी करेंगे। घास के कोर्ट का सत्र जल्द शुरू होने वाला है और वह वहां मजबूत खिलाड़ी साबित होंगे।

प्रशासक ने वर्ष 2026-27 की पौधरोपण तैयारियों की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददात
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज वर्ष 2026-27 की वृक्षारोपण योजना की तैयारियों की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव (राज्यपाल, पंजाब), गृह सचिव-सह-सचिव (वन एवं वन्यजीव), मुख्य वन संरक्षक, नगर निगम आयुक्त, वन संरक्षक, मुख्य अभियंता (इंजीनियरिंग विभाग) तथा मुख्य अभियंता (नगर निगम) उपस्थित थे।

मुख्य वन संरक्षक ने वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए वृक्षारोपण कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रीनिंग चंडीगढ़ एक्शन प्लान 2025-26 के अंतर्गत निर्धारित 5,76,221 पौधों के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 6,64,133 पौधे लगाए गए। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए पौधों का नियमित रखरखाव किया जा रहा है। वृक्षारोपण कार्यों की तृतीय पक्ष निगरानी नवंबर 2025 तथा मार्च 2026 में दो बार कराई गई, जिसके अनुसार पौधों की जीवित रहने की दर लगभग 79 प्रतिशत दर्ज की गई है।

बैठक में प्रशासक को वर्ष 2026-27 की व्यापक वृक्षारोपण योजना की तैयारियों से अवगत कराया गया, जिसे सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों के परामर्श से तैयार किया जा रहा है। बताया गया कि इस वर्ष वृक्षारोपण में संख्या की अपेक्षा गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाएगा। सभी विभागों को बेहतर वृद्धि एवं पौधों की अधिक जीवित रहने की दर सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। वन विभाग द्वारा बॉटनिकल गार्डन, सारंगपुर में वृक्षारोपण एवं पौधों की देखभाल संबंधी प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार आगामी मानसून सत्र में वन महोत्सव के दौरान वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। वर्ष 2026-27 के लिए सभी हरितकरण एजेंसियों का कुल लक्ष्य 4,19,854 पौधे निर्धारित किया गया है, जिसमें पौधों का वितरण एवं बिक्री भी शामिल है।

बैठक में दादूमाजरा क्षेत्र के लिए तैयार की गई वृक्षारोपण योजना की भी समीक्षा की गई। नगर निगम आयुक्त ने बताया कि वन विभाग के परामर्श से उक्त स्थल पर लगभग 10,000 पौधे लगाए जाएंगे। स्थल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बांस, पुष्पीय वृक्षों की विभिन्न प्रजातियां, बोगनवेलिया, कपूर, नीम तथा अन्य उपयुक्त देशी एवं अनुकूलित प्रजातियों का रोपण किया जाएगा।

प्रशासक द्वारा ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। यह अभियान 5 जून को पंजाब लोक भवन में एक पौधा लगाकर उनके द्वारा प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने नगर निगम को निर्देश दिए कि इस अभियान में नागरिकों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा विशेष रूप से आसपास के पार्कों एवं उद्यानों में वृक्षारोपण गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए।

प्रशासक ने निर्देश दिए कि वृक्षारोपण स्थलों का चयन सावधानीपूर्वक किया जाए तथा पौधों की सुरक्षा के लिए आवश्यकता अनुसार ट्री गार्ड एवं फेंसिंग जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जहां वृक्ष पर्याप्त रूप से विकसित हो चुके हैं वहां उपलब्ध पुराने ट्री गार्डों का पुनः उपयोग किया जा सकता है।

मुख्य अभियंता (इंजीनियरिंग विभाग) तथा मुख्य अभियंता (नगर निगम) को शहर की सड़कों के किनारे वृक्षारोपण में मौजूद सभी रिक्त स्थानों को भरने के निर्देश दिए गए। साथ ही उन्हें सड़कों एवं मार्गों के किनारे उपलब्ध खाली स्थानों पर उपयुक्त हरित आवरण, विशेष रूप से घास लगाने के लिए कहा गया। प्रशासक ने कहा कि इससे शहर की सुंदरता में वृद्धि होगी, मिट्टी का संरक्षण होगा तथा वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी सहायता मिलेगी।

हरियाणा के विभिन्न बोर्डों एवं आयोगों के नवनियुक्त अध्यक्षों उपाध्यक्षों और सदस्यों ने पंचकूला में ग्रहण किया पदभार

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछडे वर्ग कल्याण और अंत्योदय विभाग मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी तथा विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने आज कल्याण भवन, सेक्टर-2, पंचकूला में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग, हरियाणा राज्य समाज कल्याण बोर्ड, हरियाणा विमुक्त घुमंतु जाति विकास बोर्ड तथा हरियाणा केशकला एवं कौशल विकास बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और सदस्यों को विधिवत पदभार ग्रहण करवाया।

पदभार ग्रहण करने वालों में हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष श्री ईश्वर सिंह प्लाका, उपाध्यक्ष श्री भारत भूषण टाक और सदस्य श्री मोहित वाल्मिकी, श्री जितेंद्र वाल्मिकी, श्रीमती रेखा रानी, श्री संजीव घारू और श्री चंद्रप्रकाश बोस्ती, हरियाणा राज्य समाज कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष कैप्टन योगेश बैरागी, हरियाणा विमुक्त घूमंतु जाति विकास बोर्ड के अध्यक्ष जसमेर सिंह बंजारा और उपाध्यक्ष श्री ओमपाल और हरियाणा केशकला और कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री यशपाल ठाकुर और उपाध्यक्ष श्री नरेश कुमार सैन शामिल रहे।

कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी और कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछडे वर्ग कल्याण और अंत्योदय विभाग मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें जो नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और सेवाभाव के साथ करें।

इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता विभाग के निदेशक श्री अजय कुमार, हरियाणा विमुक्त घूमंतु जाति विकास बोर्ड के सदस्य सचिव श्री विवेक पदम सिंह, प्रदेश प्रभारी डॉ सतीश पूनिया, प्रदेश महामंत्री श्री सुरेंद्र पूनिया, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल बडौली, जिला अध्यक्ष श्री अजय मितल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हरियाणा महिला विकास निगम की नवनियुक्त चेयरपर्सन सुनीता डांगी ने कार्यभार संभाला

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा महिला विकास निगम की नवनियुक्त चेयरपर्सन सुनीता डांगी ने पंचकूला सेक्टर-14 स्थित कार्यालय में भारी समर्थकों के बीच कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री विकास एवं पंचायत विभाग कृष्ण लाल पंवार, कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रुति चौधरी , प्रदेश प्रभारी डॉ सतीश पुनिया, प्रदेश संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया, हरियाणा महिला विकास निगम की प्रबंध निदेशक मोनिका मलिक, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, महापौर श्याम लाल बंसल, सीड कॉर्पोरेशन के चेयरमैन देव कुमार शर्मा, शिवालिक विकास बोर्ड के वाईस चेयरमैन ओमप्रकाश देवीनगर, जिला अध्यक्ष चरखी दादरी सुनील इंजीनियर, भाजपा नेत्री नेहा धवन, हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की पूर्व चेयरपर्सन रंजीता मेहता, जिला प्रवक्ता संजीव कौशल, जिला मीडिया इंचार्ज के. चंदन सहित भाजपा पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों, महिला विकास निगम के कर्मचारियों एवं शुभचिंतकों ने नवनियुक्त चेयरपर्सन सुनीता डांगी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यभार ग्रहण के उपरांत हरियाणा महिला विकास निगम की नवनियुक्त चेयरपर्सन सुनीता डांगी ने अपने इस नए दायित्व के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे हरियाणा की प्रत्येक महिला के उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य करेंगी। महिला विकास निगम के सभी कर्मचारियों ने सुनीता डांगी के चेयरपर्सन नियुक्त किये जाने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा की श्रीमती डांगी के सामाजिक कार्यों एवं राजनीतिक अनुभवों का व्यापक लाभ निगम को मिलेगा। सभी ने उनके नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि सुनीता डांगी के मार्गदर्शन में हरियाणा महिला विकास निगम महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित करेगा।

उपायुक्त का निर्देश: प्रतिनिधि नहीं स्वयं उपस्थित रहे अधिकारी समाधान शिविर में

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आज गांव भगवानपुर के निवासियों की बड़ा नाला बनवाने व नाले की सफाई की मांग पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारी को मौके का मुआयना कर नाले की सफाई करवाने व सोमवार तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपायुक्त लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आज जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उपायुक्त ने समाधान शिविर में जिलावासियों की 20 समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलंब किए समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे स्वयं समाधान शिविर में उपस्थित रहे, अपनी जगह किसी प्रतिनिधि को न भेजे। उपायुक्त ने गांव भानू निवासी की रास्ते पर मलबा होने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए नगर निगम के एसडीओ को तुरंत मौके पर जाने के निर्देश दिए व शाम तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शानुसार जिले में समाधान शिविर का आयोजन लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग अलग कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़े और उनकी समस्याओं का समाधान एक ही जगह पर हो सके।

इस अवसर पर एसडीएम पंचकूला चंद्रकांत कटारिया, तहसीलदार सुरेश कुमार, एमिनेंट पर्सन सत्यवान भारद्वाज, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास एवं पंचायत, आबकारी व कराधान, मत्स्य, वन, महिला बाल विकास, समाज कल्याण, नगर निगम, पुलिस सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

अतिरिक्त उपायुक्त ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की

पंचकूला। अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने लघु सचिवालय सभागार में आज 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। एडीसी ने सभी अधिकारियों को राज्य स्तरीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि 21 जून को राज्य स्तरीय योग दिवस का परेड ग्राउंड सेक्टर 5 में भव्य आयोजन किया जाएगा। योग दिवस में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि के रूप में शिरकत कर योग करेंगे। उन्होंने बताया कि जिलावासी राज्य स्तरीय योग दिवस में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाईन पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते है। बैठक में एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, क्षेत्रीय वन अधिकारी विशाल कौशिक, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, डीईओ संध्या मलिक, तहसीलदार सुरेश, एक्साइज एंड टैक्सेसन अधिकारी सैल्ज, खेल विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नशे के विरुद्ध विद्यार्थियों ने ली शपथ और कहा नशा मुक्त समाज निर्माण में करेंगे सहयोग

पंचकूला/कालका। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री संजय कुमार के दिशानिदेर्शों और संयुक्त पुलिस आयुक्त सोनीपत एवं पुलिस उप-महानिरिक्षक श्री राजेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कालका में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय 41 वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजकीय आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के वर्ग अनुदेशक राधे श्याम एवं संदीप स्यान की उपस्थिति में यह कार्यक्रम हुआ जिसमें 320 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। उच्चाधिकारियों के आदेश से ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा संस्थान में पहुंचे और एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों बारे विस्तार से समझाकर नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहभागिता करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि नशा भावी पीढ़ियों के लिए अभिशाप है। इस अवसर पर अजय धीमान सहित अन्य वर्ग अनुदेशक, अनुदेशक एवं छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

युवा योग को दिनचर्या का बनाएं हिस्सा : प्रोफेसर गंधर्व

पंचकूला। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला के डीन इंचार्ज प्रोफेसर सतीश गंधर्व ने कहा कि युवा योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाकर स्वस्थ, निरोग एवं सकारात्मक समाज के निर्माण में योगदान दें। प्रोफेसर गंधर्व संस्थान में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुरू हुए कॉमन योग प्रोटोकॉल सत्र शिविर के शुभारंभ पर बोल रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्वलन और योगाभ्यास के साथ विधिवत रूप से योग सत्र का शुभारंभ किया। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) संजीव शर्मा एवं डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी के मार्गदर्शन में संस्थान द्वारा योग के साथ आमजन का जुड़ाव बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्वस्थवृत विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पूजा हसन जी ने बताया कि संस्थान में योग के तीन सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। योग इंस्ट्रक्टर मनुप्रिया ने प्रतिभागियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया।

एसडीएम ने सड़कों और बरसाती नालों के बुनायादी ढांचों का किया निरीक्षण

पंचकूला। एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया ने मानसून ऋतु से पहले सड़कों व बरसाती नालों के बुनायादी ढांचों के निरीक्षण को लेकर कई जगहों का दौरा किया और संबंधित अधिकारियों को बरसात से पहले बरसाती नाले, अंडर पास व ड्रनेज की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने सबडिविजनल रोड सैफ्टी एंड ड्रैनेज इन्सपैक्शन टास्कफोर्स के अधिकारियों के साथ सेक्टर-14, राजीव कॉलोनी, बैल कंपनी के सामने के नाले व मनसा देवी ड्रैनेज का निरीक्षण किया। इस दौरान ड्रैनेज और रोड़ गुली चैक पाई गई। उन्होंने बारिश से पहले एचएसवीपी, नगर निगम, पीएमडीए के अधिकारियों को इन नालों व ड्रैनेज की सफाई करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम श्री कटारिया ने सेक्टर-19 के अंडर पास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एचएसवीपी का सीवरेज पंप ऑपरेटर अनुपस्थित पाया गया, जिसके लिए उसका शो कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर तहसीलदार सुरेश कुमार, एमिनेंट पर्सन सत्यवान भारद्वाज, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता मोहित, आरटीए इंस्पेक्टर मोहित लाकड़ा, पीएमडीए के कार्यकारी अभियंता अरविंद, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी बी एंड आर, सिंचाई विभाग, पंचायती राज, क्षेत्रीय परिवहन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अन्य संबंधित अधिकारी रहे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ हरियाणा एसीबी का डिजिटल वार: जल्द लॉन्च होगा मोबाइल ऐप, पांच माह में 67 सफल ट्रैप ऑपरेशन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भ्रष्टाचार के खिलाफ आमजन की भागीदारी बढ़ाने और शिकायत प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं सरल बनाने की दिशा में राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवी एंड एसीबी) जल्द ही एक अत्याधुनिक मोबाइल ऐप लॉन्च करने जा रहा है। इस ऐप के माध्यम से नागरिक भ्रष्ट अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ वीडियो, फोटो और अन्य साक्ष्य सीधे ब्यूरो तक पहुंचा सकेंगे। यह जानकारी आज पंचकूला स्थित एसीबी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान ब्यूरो प्रमुख श्री ए.एस. चावला ने दी।

श्री चावला ने बताया कि प्रस्तावित मोबाइल ऐप को आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बेहद सरल बनाया जा रहा है। ऐप के माध्यम से शिकायतकर्ता भ्रष्टाचार से संबंधित वीडियो एवं फोटो अपलोड कर सकेंगे, हेल्पलाइन से सीधे संपर्क कर सकेंगे तथा संबंधित जिले की एसीबी यूनिट के अधिकारियों की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। शिकायतकर्ता अपनी पहचान गोपनीय रखते हुए भी भ्रष्टाचार की सूचना दे सकेंगे, जबकि प्राप्त सूचनाओं का सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ईमानदार शिकायतकताओं और उत्कृष्ट अधिकारियों को मिलेगा सम्मान

श्री चावला ने बताया कि ब्यूरो अब उन शिकायतकताओं को भी सम्मानित करेगा जिन्होंने भ्रष्टाचार के मामलों में न केवल रेड को सफल बनाया बल्कि अदालत में गवाही देकर दोषियों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके लिए वर्ष 2021 से ऐसे शिकायतकताओं की पहचान की जा रही है जिन्हें प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार, विभाग ने पूरे प्रदेश में ऐसे 5 पुलिसकर्मियों को सूचीबद्ध किया है जिन्होने पिछले पांच महीनों में सफल व अच्छी रेड करवाई है। इनमें एसीबी यूनिट गुरूग्राम से निरीक्षक जाकिर हुसैन प्रथम स्थान पर है जिन्होंने 7 रेड की हैं।

शिकायतकताओं को नहीं लगाना पड़ेगा अपना पैसा

उन्होंने यह भी बताया कि ट्रैप मामलों में शिकायतकताओं को राहत देने के लिए रिवॉल्विंग फंड प्रणाली को सरल बनाया जा रहा है। अब शिकायतकर्ता को रेड के लिए अपनी राशि खर्च करने के 15 से 20 दिन में रिवॉल्विंग फंड से पैसे वापिस किये जायेंगे, जिससे आमजन का विश्वास और सहभागिता दोनों बढ़ेंगे। श्री चावला ने स्पष्ट कहा कि जो सरकारी अधिकारी व कर्मचारी भ्रष्ट हैं और बिना रिश्वत के लोगों के काम नही करते, उन्हें बख्शा नही जाएगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के स्पष्ट निर्देश हैं कि ऐसे भ्रष्टाचारियों पर कड़ी कार्यवाही करें।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों में ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ उल्लेखनीय अभियान चलाते हुए कुल 83 आपराधिक मामले दर्ज किए, जिनमें 67 ट्रैप ऑपरेशन के दौरान रिश्वत लेते हुए अधिकारियों, कर्मचारियों एवं निजी व्यक्तियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। यह आंकड़ा दशार्ता है कि ब्यूरो ने जनवरी से मई तक के 117 कार्यदिवसों में औसतन हर दूसरे दिन एक सफल रेड की है।

श्री चावला ने बताया कि 1 जनवरी से 31 मई 2026 के दौरान ब्यूरो ने भ्रष्टाचार से संबंधित 40 विभागीय जांचें दर्ज कीं, जिनमें नगर योजनाकार, तहसीलदार, बीडीपीओ, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, चिकित्सक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हैं। इस अवधि में 36 जांचें पूरी की गईं, जिनके आधार पर 63 राजपत्रित अधिकारियों तथा 10 अराजपत्रित कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की गई है। वहीं, चार मामलों में 3 राजपत्रित अधिकारियों, 1 अराजपत्रित कर्मचारी तथा 16 निजी व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमे दर्ज करने की अनुशंसा की गई है।

नगर निगम ने सेक्टर-15 में चलाया विशेष सफाई अभियान

सिटी दर्पण संवाददात
पंचकूला

संयुक्त आयुक्त सिमरनजीत कौर ने किया अभियान का शुभारंभ

नगर निगम पंचकूला द्वारा सेक्टर-15 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान का शुभारंभ नगर निगम की संयुक्त आयुक्त श्रीमती सिमरनजीत कौर ने किया। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाना तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्री जय कौशिक, आरडब्ल्यूए के सदस्य, स्थानीय निवासी, मुख्य सफाई निरीक्षक श्री अनिल नैन, सहायक सफाई निरीक्षक (एएसआई) श्री रोहित, सफाई सुपरवाइजर श्री बलिंद्र तथा सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

अभियान के दौरान सड़कों, पार्को और अन्य सार्वजनिक स्थानों की विशेष सफाई करवाई गई। साथ ही सेक्टर-15 को जीवीपी (गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट) मुक्त वार्ड बनाने की दिशा में विशेष अभियान चलाया गया। वार्ड में मौजूद सभी जीवीपी प्वाइंट्स को समाप्त करने की कार्रवाई की गई, जिससे अब इस वार्ड में कोई भी जीवीपी प्वाइंट नहीं रहेगा। नगर निगम द्वारा इससे पहले सेक्टर-25 को भी जीवीपी मुक्त वार्ड बनाया जा चुका है। सेक्टर-15 नगर निगम का दूसरा वार्ड है जिसे जीवीपी मुक्त बनाया गया है। अभियान के दौरान क्षेत्र से सभी प्रकार के बागवानी (हॉर्टिकल्चर) वेस्ट को भी उठवाया गया और उसके उचित निस्तारण की व्यवस्था की गई। संयुक्त आयुक्त श्रीमती सिमरनजीत कौर ने कहा कि नगर निगम पंचकूला शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने के लिए नागरिकों का सहयोग बेहद आवश्यक है।

मंथन स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षित कार्यस्थल निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुई प्रयास-2026

पॉश अधिनियम-2013 के प्रभावी क्रियान्वयन पर देशभर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने किया विचार-विमर्श

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

अस्पताल प्रशासन विभाग, सिविल अस्पताल सेक्टर-6, पंचकूला द्वारा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, सेक्टर-1 में प्रयास-2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह एक राष्ट्रीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) सह कार्यशाला थी, जिसका उद्देश्य पॉश (कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम के तहत स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्यस्थल सुनिश्चित करना था। कार्यशाला का मुख्य विषय पॉश के तहत स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के लिए सुरक्षित कार्यस्थल का निर्माण रहा। इस शैक्षणिक कार्यक्रम का केंद्र-बिंदु कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 था। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में इस अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, चुनौतियों, संस्थागत जिम्मेदारियों तथा व्यावहारिक समाधानों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यशाला में हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा दिल्ली के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से आए डॉक्टरों, नर्सों, डीएनबी रेजिडेंट्स, अस्पताल प्रशासकों, संकाय सदस्यों एवं अन्य स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अस्पताल प्रशासन, कानूनी मामलों, कार्यस्थल नैतिकता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने पॉश अनुपालन और संस्थागत जवाबदेही से संबंधित अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में गरिमापूर्ण, समावेशी एवं उत्पीड़न-मुक्त कार्यस्थल की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया, जहां स्वास्थ्यकर्मी अक्सर अत्यधिक दबावपूर्ण और संवेदनशील परिस्थितियों में कार्य करते हैं। विभिन्न सत्रों में लैंगिक संवेदनशीलता, पेशेवर मयार्दाएं, कर्मचारियों के अधिकार एवं दायित्व, आंतरिक शिकायत समितियों की कार्यप्रणाली, शिकायत निवारण तंत्र, पॉश ऑडिट तथा शी-बॉक्स जैसे तकनीक-आधारित अनुपालन उपकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई।

संवादात्मक चचाओं और वास्तविक जीवन के केस स्टडी के माध्यम से प्रतिभागियों को कार्यस्थल से संबंधित समस्याओं के प्रभावी एवं संवेदनशील समाधान की व्यावहारिक समझ प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने कर्मचारियों के कल्याण तथा संस्थागत अखंडता सुनिश्चित करने में नेतृत्व की प्रतिबद्धता और सक्रिय नीतियों की भूमिका को भी रेखांकित किया। यह कार्यशाला मुख्य संरक्षक डॉ. मनीष बंसल, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, हरियाणा के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। डॉ. मुक्ता कुमार, सिविल सर्जन, पंचकूला; डॉ. आर.एस. चौहान, पीएमओ, सिविल अस्पताल पंचकूला तथा मेजर जनरल हरकीरत सिंह, कमांडेंट एवं निदेशक, सीएचडब्ल्यूसी ने कार्यक्रम को संरक्षण प्रदान किया। सीएमई-सह-कार्यशाला की अध्यक्षता सिविल अस्पताल पंचकूला के अस्पताल प्रशासन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पायल पुरी ने की, जबकि इसके आयोजन सचिव महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, हरियाणा के उपनिदेशक डॉ. रविंदर अहलावत रहे। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ताओं में हरियाणा से राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा, लखनऊ की पुलिस महानिदेशक एवं राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व सदस्य श्रीमती रेणुका मिश्रा तथा भारत के सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता श्रीमती मानवी शर्मा शामिल रहीं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने तथा महिला स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन समिति ने प्रयास-2026 को सफल एवं प्रभावशाली शैक्षणिक पहल बनाने में सहयोग देने वाले सभी वक्ताओं, प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में कार्यस्थल सुरक्षा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने तथा सम्मानजनक एवं सुरक्षित पेशेवर वातावरण के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।